website : - www.loktantramirror.live

लोकतंत्र मिरर

पृष्ठ : 8 RNI Reg. No. MAHHIN/2017/74134 वर्ष : 7 अंक : 16 मई 2023 मूल्य : 10

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत

सिद्धारमैया सीएम व शिवकुमार होंगे डिप्टी सीएम, २० मई को शपथ ग्रहण

कर्नाटक	बीजेपी	काँग्रेस	जेडीएस	अन्य
224	66	135	19	04

बेंगलुरु : कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद इस बात पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं कि प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? वहीं अब मुख्यमंत्री कौन होगा इस पर संस्पेंस लगभग खत्म होता दिख रहा है। अब खबर सामने आ रही है कि सिद्धारमैया कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री होंगे और डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कर्नाटक सरकार के गठन के लिए आम सहमति पर पहुंचे हैं। वहीं कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक आज (१८ मई) शाम सात बजे बेंगलुरु में बुलाई गई है।

२० मई को होगा शपथ ग्रहण समारोह

सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह २० मई को बेंगलुरु में होगा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के केंद्रीय पर्यवेक्षकों को सीएलपी बैठक के लिए बेंगलुरु पहुंचने जाने को कहा गया है। इससे पहले बुधवार को कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने कहा था कि कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री के बारे में आज या कल फैसला किया जाएगा और ७२ घंटे के भीतर नया मंत्रीमंडल बन जाएगा।

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद दिल्ली से बेंगलुरु तक एक ही सवाल बना हुआ है, अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री की रेस में चार दावेदार हैं, लेकिन डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया का पक्ष सबसे मजबूत माना जा रहा है.

कांग्रेस हाईकमान मुख्यमंत्री का मसला आसानी से सुलझा लेने का दावा कर रहा है. बेंगलुरु में विधायकों ने एक स्वर से मुख्यमंत्री चुनने का अधिकार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को दिया है, जिसके बाद कांग्रेस के भीतर ३ फॉर्मूले की चर्चा तेज हो गई है. तीन में से दो फॉर्मूला डीके शिवकुमार के पक्ष में बताया जा रहा है, तो एक फॉर्मूला सिद्धारमैया के पक्ष में. दिल्ली में खरगे से चर्चा के बाद ऑब्जर्वर फिर से बेंगलुरु जाएंगे.

इससे पहले, प्रदेश अध्यक्ष को विधायक दल का नेता चुनना- कांग्रेस के भीतर सबसे ज्यादा चर्चा इसी हो रही थी. २०१५ के बाद कांग्रेस ५ राज्यों में अपने बूते सरकार बनाने में कामयाब रही है. इनमें पंजाब (२०१७), मध्य प्रदेश (२०१८), छत्तीसगढ. (२०१८), राजस्थान (२०१८) और हिमाचल(२०२२) है.

५ में से ३ राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष को ही विधायक दल का नेता यानी की मुख्यमंत्री चुना गया. महाराष्ट्र में भी महाविकास अघाडी की सरकार बनी तो कांग्रेस की ओर से तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष बाला साहेब थोराट ही विधायक दल के नेता बनाए गए. थोराट उद्धव कैबिनेट में भी शामिल हुए.

हिमाचल में सुक्खू और पंजाब में चन्नी वाला फॉर्मूला- साल २०२१ में हाईकमान से नाराज होकर कैप्टन अमरिंदर सिंह ने जब मुख्यमंत्री का पद छोडा, तो उसके बाद कई नामों की चर्चा तेज हो गई. इनमें सिद्धू और सुनील जाखड.के नाम प्रमुख था.

राजस्थान की तरह कर्नाटक में भी सत्ता भागीदारी का एडजेस्टमेंट फॉर्मूला लागू होने की चर्चा है. चूंकि सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों के समर्थन में अधिकांश विधायक हैं, इसलिए पाटी कर्नाटक में रिस्क नहीं लेना चाहती है. सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों अपने पक्ष में ६५ से अधिक विधायकों के होने का दावा कर रहा है. सिद्धारमैया मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं. ऐसे में उन्हें हाईकमान इग्नोर भी नहीं कर सकती है.

ऑब्जर्वर ने ली विधायकों की राय, खरगे के सामने खुलेगा पर्ची

कांग्रेस ने विधायकों की राय लेने के लिए सुशील कुमार शिंदे, जितेंद्र सिंह और दीपक बावरिया को बेंगलुरु भेजा था. तीनों नेताओं ने संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और प्रभारी रणदीप सुरजेवाला के साथ मिलकर एक-एक विधायकों की राय ले ली है. बैलेट पेपर से विधायकों की राय लिए जाने की बात कही जा रही है. कांग्रेस हाईकमान इसी को आधार बनाते हुए आगे का फैसला करेगी. जितेंद्र सिंह ने पत्रकारों से कहा कि बेंगलुरु से दिल्ली जाएंगे और खरगे जी को पूरी रिपोर्ट सौपेंगे. इसके बाद ही मुख्यमंत्री का नाम फाइनल होगा. खरगे के सामने विधायकों की राय वाली पची खोली जाएगी.

ऑब्जर्वर की रिपोर्ट लेने के बाद खरगे सुरजेवाला और वेणुगोपाल से मशवरा करेंगे. खरगे सिद्धारमैया और शिवकुमार से भी चर्चा करेंगे. दोनों नेताओं को दिल्ली भी बुलाया जा सकता है.

सिद्धारमैया के पक्ष में दलील- हैदराबाद-कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक के अधिकांश विधायक सिद्धारमैया के समर्थन में हैं. सिद्धारमैया २०१३ से २०१८ तक सरकार चला चुके हैं और उनकी योजनाओं को खूब लोकप्रियता मिली थी. **(शेष पृष्ठ २ पर)**

फिल्म पर बैन को लेकर ममता सरकार को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- ऐसा फैसला क्यों लिया?

मुंबई : सुदीप्तो सेन की फिल्म द केरल स्टोरी इन दिनों सिनेमाघरों में धूम मचा रही है। वहीं पश्चिम बंगाल सरकार ने इसे बैन कर रखा है। अब सुप्रीम कोर्ट ने द केरल स्टोरी के निर्माताओं की उस याचिका पर पश्चिम बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया है, जिसमें राज्य में फिल्म के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने के पश्चिम बंगाल सरकार के फैसले को चुनौती दी गई है। सिफ पश्चिम बंगाल ही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने पर तमिलनाडु सरकार को भी नोटिस जारी किया है।

इस मामले में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जब यह फिल्म पूरे देश में दिखाई जा रही है तो पश्चिम बंगाल सरकार इसपर प्रतिबंध क्यों लगा रही है, आप इस फिल्म को क्यों नहीं चलने दे रहे हैं। यह फिल्म देश के अलग-अलग हिस्सों में समान रूप से चल रही है। फिल्म अच्छी हो बुरी लेकिन इसे बैन करने का कोई मतलब नहीं है। फिल्म कैसी है इसे लोगों को तय करने दें। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर अगली सुनवाई १७ मई को होगी।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नफरत और हिंसा की किसी भी घटना से बचने का हवाला देते हुए राज्य में द केरल स्टोरी के प्रदर्शन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। इसपर निर्माताओं का कहना है कि तमिलनाडु ने भी डिफेक्टो बैन लगाया है और भी राज्य बैन लगाने की धमकी दे रहे हैं, इससे निर्माताओं को रोजाना नुकसान हो रहा है।

इस संबंध में निर्माता की ओर से हरीश साल्वे ने कहा कि ५ मई को फिल्म रिलीज हुई। प. बंगाल की मुख्यमंत्री ने बयान दिया कि इससे कानून व्यवस्था को खतरा है। सीजेआई ने कहा कि हम इस मामले में नोटिस जारी करेंगे। वहीं इसपर साल्वे का कहना था कि तमिलनाडु में फिल्म डिफेक्टो बैन है। वहां शुरू में इसे रिलीज किया गया, लेकिन धमकी के बाद फिल्म नहीं चलाई गई।

द केरल स्टोरी के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह हैं और सुदीप्तो सेन ने इसे निर्देशित किया है। इस फिल्म में मुख्य अदाकारा अदा शर्मा हैं, जिन्होंने अपनी एक्टिंग से फिल्म में जान फुंक दी है।

नई दिल्ली : रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ गुरुवार, ११ मई, २०२३ को नई दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहे विरोध के दौरान पहलवान काली पट्टी बांधते हुएँ *(विस्तारीत खबर पान ८ पर)*

कौन होगा विपक्ष का चेहरा?

नीतीश कुमार के सामने शरद पवार ने दिया ऐसा जवाब

मुंबई : साल २०२४ के लोकसभा चुनाव में केंद्र की बीजेपी सरकार की गोलबंदी के लिए विपक्षी दलों ने तैयारियां शुरू कर दी है. विपक्ष जोडो अभियान के तहत अपनी मुंबई यात्रा के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री सीएम नीतीश कुमार ने आज शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की.

२०२४ में विपक्ष की ओर से मुख्य चेहरा कौन होगा?

मुलाकात के बाद संयुक्त रूप से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मीडिया कर्मियों ने सवाल किया कि २०२४ के चुनावों में विपक्ष की ओर से सीएम चेहरा कौन होगा? इस सवाल पर शरद पवार ने नीतीश कुमार के सामने कहा कि हमें एक साथ काम करना है, चेहरे को लेकर बाद में निर्णय लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि जहां तक चेहरे का सवाल है तो लोग चाहते हैं कि ये ही चेहरे सामने होने चाहिए.

वहीं जब मीडिया कर्मियों ने पूछा कि क्या शरद पवार ही विपक्ष का मुख्य चेहरा होंगे. इस पर उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा खुशी की बात और कुछ नहीं हो सकती. उन्होंने कहा कि पवार ने एनसीपी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया तो हम सबको बहुत खराब लगा. नीतीश कुमार ने कहा कि हमने शरद पवार से कह दिया है कि उन्हें पूरी मजबूती के साथ न केवल अपनी पार्टी के लिए बल्की पूरे देश के लिए काम करना है.

'कर्नाटक के लोग इस बार बीजेपी को हटाने जा रहे हैं'

एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि 'देश के हालात को देखते हुए लोकतंत्र को बचाने के लिए मिलकर काम करना जरूरी है. देश की स्थिति को देखकर लगता है कि अगर हम मिलकर काम करेंगे तो देश को जिस विकल्प की जरूरत है, उसके लिए समर्थन मिलेगा. कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनावों को लेकर पवार ने कहा कि कल कर्नाटक में चुनाव थे, मेरी जानकारी के अनुसार वहां के लोग इस बार बीजेपी को हटाने जा रहे हैं और एक धर्मनिरपेक्ष सरकार चुनने जा रहे हैं.

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को क्यों सता रहा है हत्या का खौफ?

रावलपिंडी : पाकिस्तान की आर्थिक स्थिती पहले से ही बहुत खराबँ है आलम ये है कि खाने पीने की चीजें भी लोगों को नसीब नहीं हो रही है एसे में शहबाज को इस स्थिती से निपटना चाहिए तो वो इसका उल्टा कर रहे है। वो पूर्व पीएम इमरान की गिरफ्तारी के लिए पूरी ताकत लगा रहे है। हालांकि इमरान को गिरफ्तार कर लिया गया और अब उनको लेकर कोर्ट में सुनवाई होनी है।

९ मई को हुई थी गिरफ्तारी

इमरान को ९ मई को पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी के तरीके से हड़कँप मच गया। अर्धसैनिक बल रावलपिंडी हाईकोर्ट में घुस गए और उन्हें एक

वैन में बांध दिया। इसके बाद राष्ट्रव्यापी हिंसा फ़ाई। क्योंकि उनके समर्थकों ने पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाया।

समर्थकों ने गुस्से में आकर किया हमला

उन्होंने रावलपिंडी में सेना मुख्यालय पर हमला किया, सैन्य स्मारकों को नष्ट कर दिया, और वरिष्ठ जनरलों के घरों में आग लगा दी। यह पाकिस्तानी सेना की चिंता को बढ़ाने वाला था। विरोध का आंदोलन सबसे घनी आबादी वाले पंजाब प्रांत में था।जोकि सेना की बड़ी भर्ती और देश की राजनीतिक शक्ति का केंद्र है।

गिरफ्तारी के बाद इमरान खान ने हत्या की जताई थी आशंका

पिछले अप्रैल में प्रधानमंत्री के रूप में इमरान खान ने शक्तिशाली सेना को खुली चुनौती दी थी।पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख खान ने ३ मई को लाहौर हाईकोर्ट को बताया कि उनकी जिंदगी खतरे में है। इस तरह से बार-बार अदालत में पेश होने से उन्हें खतरा हो सकता है। उन्हें पिछले नवंबर में पैर में गोली भी मार दी गई थी जब वो इस्लामाबाद में एक मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। इसके अलावा इमरान खान ने दो बार और हत्या के प्रयासों का दावा किया है।

हरियाणा बोर्ड १२वीं में ८१.६५% हुए पास

हरियाणा : हरियाणा बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन ने आज हरियाणा बोर्ड १२वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया है. इस साल, कुल २६३,४०९ छात्रों ने हरियाणा बोर्ड से १२वीं की परीक्षा दी थी. इनमें से ८१.६५% छात्र पास हुए हैं. भिवानी के नव भारत सीनियर सेकेंडरी स्कूल की नैंसी ने ५०० में से ४९८ अंक लाकर परीक्षा में टॉप किया है. वहीं करनाल की जसमीत कौर ने ४९७ अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है.

छात्र अपने हरियाणा बोर्ड एचबीएसई १२वीं के परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट लीशह्रीस.ळप पर देख सकते हैं. एचबीएसई कक्षा १०वीं की परीक्षाएं २७ फरवरी से २५ मार्च, २०२३ के बीच हुई,

ज्ञानवापी मस्जिद : शिवलिंग की होगी कार्बन डेटिंग

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

इलाहाबाद : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में आधुनिक पद्धति के आधार पर कथित शिवलिंग का काल निर्धारित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्रा की पीठ ने एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर कथित शिवलिंग का साइंटिफिक सर्वे की जांच कराने का आदेश दे दिया। कोर्ट ने भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग से कहा कि शिवलिंग को बिना खंडित किए वैज्ञानिक जांच करें।

कोर्ट ने जिला जज के उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें उन्होंने कार्बन डेटिंग की मांग वाली अर्जी को खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्रा ने वाराणसी के जिला जज द्वारा १४ अक्टूबर, २०२२ को पारित आदेश को चुनौती देने वाली एक पुनरीक्षण याचिका पर यह आदेश पारित किया। यह आदेश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्र ने लक्ष्मी देवी व अन्य की याचिका पर दिया है। याचिका पर राज्य सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता एम सी चतुर्वेदी व मुख्य स्थायी अधिवक्ता बिपिन बिहारी पांडेय ने पक्ष रखा। अधिवक्ता हरिशंकर जैन व विष्णु शंकर जैन हिंदू पक्ष से थे जबकि ज्ञानवापी मस्जिद की तरफ से एसएफए नकवी ने पक्ष रखा।

कोर्ट ने भारत सरकार के अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह से पूछा था कि क्या शिवलिंग को नुक्सान पहुंचाए बगैर कार्बन डेटिंग से जांच की जा सकती है, क्योंकि इस जांच से शिवलिंग की आयु का पता चलेगा। एएसआइ ने कहा बिना क्षति शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच की जा सकती है। ज्ञानवापी विवाद को लेकर हिन्दू पक्ष का दावा है कि इसके नीचे १०० फीट ऊंचा आदि विश्वेश्वर का स्वयंभू ज्योतिर्लिंग है। काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण करीब २०५० साल पहले महाराजा विक्रमादित्य ने करवाया था, लेकिन मुगल सम्राट औरंगजेब ने साल १६६४ में मंदिर को तुड़वा दिया। दावे में कहा गया है कि मस्जिद का निर्माण मंदिर को तोड़कर उसकी भूमि पर किया गया है जो कि अब ज्ञानवापी मस्जिद के रूप में जाना जाता है।

याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि ज्ञानवापी परिसर का पुरातात्विक सर्वेक्षण कर यह पता लगाया जाए कि जमीन के अंदर का भाग मंदिर का अवशेष है या नहीं। साथ ही विवादित ढांचे का फर्श तोड़कर ये भी पता लगाया जाए कि १०० फीट ऊंचा ज्योतिर्लिंग स्वयंभू विश्वेश्वरनाथ भी वहां मौजूद हैं या नहीं। मस्जिद की दीवारों की भी जांच कर पता लगाया जाए कि ये मंदिर की हैं या नहीं। याचिकाकर्ता का दावा है कि काशी विश्वनाथ मंदिर के अवशेषों से ही ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण हुआ था। इन्हीं दावों पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करते हुए आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की एक टीम बनाई। इस टीम को ज्ञानवापी परिसर का सर्वे करने के लिए कहा गया था।

चक्रवात 'मोचा' हुआ 'बेहद गंभीर'

इन राज्यों में बारिश का अलर्ट, सरकारी कर्मियों की छुट्टी रद्द

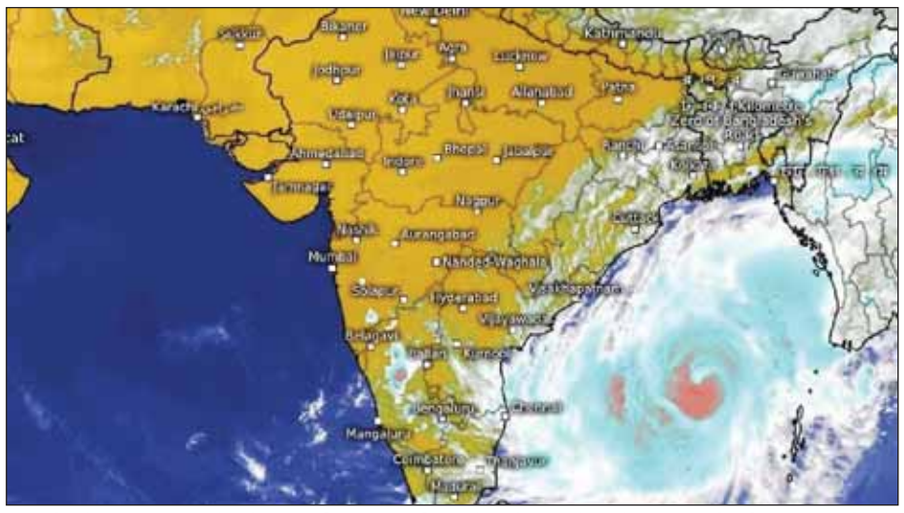

नई दिल्ली : मध्य बंगाल की खाडी से सटे दक्षिण पूर्व में गंभीर चक्रवाती तूफान मोचा एक बहुत ही गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है. आईएमडी ने शुक्रवार सुबह कहा कि 'मोचा' पिछले छह घंटों के दौरान ९ किमी. प्रति घंटे की गति से उत्तर दिशा की ओर बढ.रहा है. १२ मई को सुबह ५.३० बजे चक्रवात पोर्ट ब्लेयर से लगभग ५२० किमी. पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में था. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने एक बयान में कहा साइक्लोन मोचा कॉक्स बाजार (बांग्लादेश) से १०१० किमी. दक्षिण-पश्चिम में और सितवे (म्यांमार) से ९३० किमी दक्षिण पश्चिम में था.

मौसम विभाग ने कहा कि इसके उत्तरपूर्व की ओर बढ़ने और तेज होने की संभावना है. इसके १४ मई की दोपहर के आसपास कॉक्स बाजार (बांग्लादेश) और सितवे के करीब क्यौकप्यू (म्यांमार) के बीच तट को पार करने की संभावना है. ये १५०-१६० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ एक बहुत ही गंभीर चक्रवाती तूफान है. जिसमें हवा की रफ्तार १७५ किमी. प्रति घंटे तक हो सकती है. यमन ने इस तूफान का नामकरण चक्रवात 'मोचा' (उच्चारण मोखा) किया है, जो शुक्रवार को अपनी तेजी पर आने वाला है. यमन ने लाल सागर के बंदरगाह शहर मोखा के नाम पर चक्रवात का नाम 'मोचा' (मोखा) रखा, जिसने ५०० साल पहले दुनिया को कॉफी की सौगात दी थी.

जैसे ही चक्रवात मोचा 'गंभीर' हुआ, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने पश्चिम बंगाल के दीघा में आठ टीमों और २०० बचावकर्ताओं को तैनात किया है. एनडीआरएफ की दूसरी बटालियन के कमांडेंट गुरमिंदर सिंह ने कहा कि 'भविष्यवाणियों के अनुसार चक्रवात मोचा १२ मई को एक भयंकर तूफान और १४ मई को एक बहुत गंभीर चक्रवात में बदल जाएगा.' उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ के २०० बचावकर्मियों को जमीन पर तैनात किया गया है और १०० बचावकर्मी स्टैंडबाय पर हैं. इसके रविवार को म्यांमार में बंदरगाह शहर सितवे के करीब क्यौकप्यू और बांग्लादेश के कॉक्स बाजार के बीच तट से टकराने की उम्मीद है.

'मोचा' से कहां होगी बारिश?

मौसम विभाग ने कई पूर्वोत्तर राज्यों और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है. मध्य बंगाल की खाडी के ऊपर चक्रवात की गति के कारण इन इलाकों में भारी वर्षा होने की संभावना है. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में १२, १३ और १४ मई को भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. त्रिपुरा और मिजोरम में १३ मई और १४ मई को अधिकांश स्थानों पर बारिश होने की संभावना है. कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है. नागालैंड, मणिपुर और दक्षिण असम में १४ मई को बारिश होने और कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है.

म्यांमार नाउ के मुताबिक १०,००० से अधिक लोग पहले ही सुरक्षित आश्रय के लिए निकल चुके हैं. वाशिंगटन पोस्ट ने भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के एक जलवायु वैज्ञानिक रॉक्सी मैथ्यू कोल के हवाले से कहा कि 'बंगाल की खाडी में वैश्विक स्तर पर कुल उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का केवल ४% आते हैं. लेकिन चक्रवातों से होने वाली मौतों में से ८०% से अधिक इसी इलाके से होती हैं.' चक्रवात मोचा ऐसे समय में दस्तक दे रहा है जब म्यांमार में पहले से ही गृहयुद्ध चल रहा है. वाशिंगटन पोस्ट का कहना है कि लगभग २० लाख आंतरिक रूप से विस्थापित और अन्य १० लाख शरणार्थियों के साथ एक बडी आबादी इसके जोखिम में आ सकती है. रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश सीमा के दक्षिण में जिस जगह पर मोचा तट से टकराने वाला है, वो इलाका लडाई की जगह रहा है. इसमें विस्थापितों के लिए कई विशाल शिविर हैं.

बंगाल के अन्य हिस्सों में 'मोचा' की तैयारी

उत्तर २४ परगना जिला प्रशासन तूफान की चेतावनी के मद्देनजर सुंदरबन इलाके में जरूरी कदम उठा रहा है. संदेशखाली-१, संदेशखाली-२, हिंगलगंज और मीनाखान सहित सुंदरबन के पास हर ब्लॉक में एक कंट्रोल रूम बनाया गया है. सिविल डिफेंस के जवान चौबीसों घंटे वहां रहेंगे. एक अधिकारी ने कहा कि सिंचाई और बिजली विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियां अगले एक सप्ताह के लिए रद्द कर दी गई हैं. इलाके के स्कूलों को शेल्टर के तौर पर तैयार किया जा रहा है. प्रखंड प्रशासन सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ कमजोर बांधों का निरीक्षण कर रहा है.

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत की रणनीति बनाने वाले सुनील कनुगोलू कौन हैं

कैसे किया ये कमाल?

बेंगलुरु : कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद इस चुनाव में तीन नामों की सबसे ज्यादा चर्चा है। पहला सिद्धारमैया, दूसरा कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार और तीसरा चुनावी रणनीतिकार सुनील कनुगोलू का। दो के बारे में तो आप जानते होंगे, लेकिन आज हम बताएंगे कि सुनील कनुगोलू कौन हैं? कैसे इन्होंने कर्नाटक में कांग्रेस को जीत दिलाई?

कौन हैं सुनील कनुगोलू?

सुनील कानूनगोलू का जन्म कर्नाटक के बल्लारी जिले में हुआ। यहीं से उन्होंने अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। एक रिपोर्ट के अनुसार, बल्लारी से वह पहले चेन्नई और फिर बेंगलुरु शिफ्ट हो गए। तेलुगु भाषी होने के बावजूद कनुगोलू ने अपनी जडें कर्नाटक में जमा ली हैं। प्रशांत किशोर की तरह की सुनील भी चुनावी रणनीतियां तैयार करते हैं।

कांग्रेस के साथ काम करने से पहले सुनील ने भाजपा, डीएमके और अन्नाद्रमुक के लिए काम किया है। वह २०१७ के जल्लीकट्टू विरोध के दौरान तमिल गौरव और द्रविडग़िन मॉडल के पहलुओं के पीछे भी थे, जिससे डीएमके को आक्रामक भाजपा का मुकाबला करने में मदद मिली।

प्रशांत किशोर के इनकार के बाद सोनिया ने किया था अपॉइनमेंट

प्रशांत किशोर ने पिछले साल २६ अप्रैल को पाटी में शामिल होने के कांग्रेस के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। इसके बाद कांग्रेस और प्रशांत किशोर की बात नहीं बन पाई थी। इसके बाद सोनिया गांधी ने सुनील कनुगोलू को पाटी की चुनावी रणनीतियों को तैयार करने के लिए फाइनल किया।

पिछले साल मई में कनुगोलू को टास्क फोर्स २०२४ के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। इस टास्क फोर्स में कनुगोलू के अलावा पी चिदंबरम, मुकुल वासनिक, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन, प्रियंका गांधी वाड्रा और रणदीप सुरजेवाला जैसे प्रमुख नेता शामिल थे। बताया जाता है कि राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा का आइडिया भी कनुगोलू ने ही दिया था।

पहले हिमाचल और फिर कर्नाटक में मिली जीत

सुनील पिछले साल कांग्रेस में शामिल हुए थे। इसके बाद से वह कई राज्यों में पाटी के लिए चुनावी रणनीति तैयार कर रहे हैं। कर्नाटक में चुनाव से पहले सर्वे, फिर उम्मीदवारों का चयन, दूसरी पार्टियों से आने वाले नेताओं को लेकर अध्ययन करना, मुद्दे और चुनाव प्रचार के तरीकों को लेकर सुनील ने काम किया। सुनील के करीबियों के मुताबिक, कर्नाटक से पहले हिमाचल प्रदेश में भी उन्होंने काम किया।

जहरीली शराब के सेवन से पांच लोगों की मौत

मरक्कनम : तमिलनाडु के विलुप्पुरम जिले के मरक्कनम में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से एक महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य को अस्पताल में भती कराया गया है। पाचों लोगों को शनिवार देर रात एक सरकारी अस्पताल में भती कराया गया था, जहां शुरुआत में उनमें से तीन की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महिला सहित दो अन्य लोगों की रविवार को इलाज के बिना मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि यह घटना मरक्कनम के मछली पकडने वाले एक्कियारकुप्पम गांव में हुई, जहां लोगों के एक समूह ने शनिवार शाम को अवैध शराब का सेवन किया।

मृतकों में तीन की पहचान ५० वषीय शंकर, ५० वषीय दरानीवेल और ६० वषीय सुरेश के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि शराब पीने वाले लोगों और अन्य लोगों को शारीरिक बेचैनी महसूस हुई, जिसके बाद उन्हें पुडुचेरी के जिपमर अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक, कथित तौर पर नकली शराब बेचने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और इस घटना के अन्य आरोपियों को पकडने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों के लिए १० लाख रुपये और अस्पताल में इलाज करा रहे लोगों के लिए ५०,००० रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा कि घटना के संबंध में मरक्कनम इंस्पेक्टर अरुल वाडीवेल अझगन, सब इंस्पेक्टर दीपन, पीईडब्ल्यू इंस्पेक्टर मारिया सोबी मंजुला और सब इंस्पेक्टर शिवगुरुनाथन को अस्थायी रूप से निलंबित किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस घटना में अस्पताल में भती लोगों को विशेष उपचार देने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार अवैध शराब और नशीले पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार सख्त कदम उठा रही है।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के अन्नामलाई ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट किया, ''तीन लोगों की मौत की खबर... यह बहुत हैरान करने वाला है। यह भी पता चला है कि १६ लोगों का गंभीर हालत में अस्पताल में उपचार चल रहा है। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' उन्होंने द्रमुक सरकार पर राज्य में शराब के अवैध कारोबार को रोकने में निष्क्रिय होने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने द्रमुक सरकार से 'अवैध शराब की बिक्री' को खत्म करने के लिए सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा, मैं तमिलनाडु भाजपा की ओर से आग्रह करता हूं कि तमिलनाडु सरकार को तुरंत नींद से जागे और नकली शराब की बिक्री को खत्म करने के लिए सख्त कार्रवाई करे।

कर्नाटक की जनता ने संप्रदायिक शक्तियों को नकार दिया है : सुबोधकांत सहाय

स्थानीय संवाददाता रांची : कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी की भारी जीत पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने पत्रकारों से बात करते हुए अपनी प्रतिक्रिया मैं कहा कि कर्नाटक की जनता ने सांप्रदायिक शक्तियों को नकार दिया है। चुनाव परिणाम से पूरे देश में कर्नाटक की जनता ने यह संदेश दिया है कि राहुल गांधी के भारत जोड़ो अभियान देश को बचाने का अभियान था। श्री सहाय ने कहा कि कर्नाटक चुनाव परिणाम से देश में एक नया संदेश संप्रेषित हुआ है कि धर्म की आड़ में राजनीति करने वालों की दाल नहीं गलने वाली। जनता जागरुक हो चुकी है और यह जान गई है कि सांप्रदायिकता का लबादा ओढ़े राजनीतिक दलों से देश का कल्याण नहीं होने वाला है।

ऑब्जर्वर ने ली विधायकों की राय

(पृष्ठ १ से)

सिद्धारमैया के समर्थक उनके उम्र का हवाला देते हुए कम से कम २ साल के लिए मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं. सिद्धारमैया ऐलान भी कर चुके हैं कि इसके बाद अब वे चुनाव नहीं लडेंगे. सिद्धारमैया सीएम रह चुके हैं. ऐसे में कांग्रेस के पास उनको मुख्यमंत्री की कुर्सी देने के अलावा और कोई पद भी नहीं है.

सिद्धारमैया के समर्थन में लिंगायत, मुस्लिम और ओबीसी विधायकों के भी होने की बात कही जा रही है. सिद्धारमैया एक बार जेडीएस छोड.चुके हैं, इसलिए हाईकमान को कांग्रेस से पलटी मारने का भी डर है.

शिवकुमार के पक्ष में दलील- रिजल्ट के बाद पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने पाटी को कुर्बानी की याद दिलाई. शिवकुमार समर्थकों का कहना है कि २०१३ में उन्होंने हाईकमान के कहने पर सिद्धारमैया का विरोध नहीं किया और उनकी कैबिनेट में शामिल हुए.

शिवकुमार समर्थकों का कहना है कि २०१७ में अहमद पटेल की सांसदी बचाने की वजह से वे सेंट्रल एजेंसी की रडार पर आए. २०१९ में उन्हें सेंट्रल एजेंसी की कार्रवाई की वजह से जेल में भी रहना पडा. शिवकुमार के समर्थक सिद्धारमैया के चुनावी परफॉर्मेंस का भी हवाला दे रहे हैं. २०१४, २०१८ और २०१९ में सिद्धारमैया के रहते हुए कांग्रेस की करारी हार हुई थी.

३० हजार वेतन पाने वाली निकली ७ करोड़ की आसामी

भोपाल : मध्यप्रदेश में एक बड़े भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। गुरुवार को लोकायुक्त की टीम ने आय से अधिक संपत्ति के मामले बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने एमपी पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन (संविदा) में पदस्थ सब इंजीनियर हेमा मीणा के ठिकानों पर छापेमारी की है। अभी तक कार्रवाई के अनुसार, करीब ७ करोड़ रुपए की संपत्ति की जानकारी मिली है। बता दें हेमा मीणा की सैलरी मात्र ३० हजार रुपए हर महीने है। उसके बाद भी उन्होंने करोड़ों रुपये की संपत्ति बनाई है। महिला सब इंजीनियर ने ज्यादातर संपत्ति अपने पिता के नाम से खरीदी है। बेटी की नौकरी से पहले पिता की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी।

छापेमारी के दौरान लोकायुक्त की टीम को महिला सब इंजीनियर के घर से ३० लाख रुपए का टीवी मिला है। इसके अलावा उसके पास एक आलीशान फार्म हाउस भी है। इस फॉर्म हाउस में ७० से ८० गाय मिली हैं। २०२० में हेमा मीणा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिली थी।

कई लग्जरी गाड़ियां बरामद

छापेमारी में महिला सब इंजीनियर के ठिकाने से लोकायुक्त को कई लग्जरी गाड़ियां मिली हैं। महिला के पास एक बंगला भी मिला है। जानकारी के अनुसार, महिला अधिकारी अपने बगंले में नौकरों से बात करने के लिए वॉकी-टॉकी का उपयोग करती थी। नौकरों के अनुसार, महिला खुद को खझड बताती थी। ३० हजार रुपए की सैलरी पाने वाली महिला के घर में अकूत दौलत देखकर लोकायुक्त की टीम भी हैरान रह गई है।

हेमा मीणा वर्ष २०१६ में पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन में बतौर उप यंत्री पदस्थ हुई थी। अब तक करीब १३ साल नौकरी कर चुकी है। इस हिसाब से उसकी संपत्ति करीब १८ लाख रुपये होनी चाहिए। लेकिन अब तक की जांच में ७ करोड़ रुपये की संपत्ति मिल चुकी है। यह आय से ३८ गुना से ज्यादा अधिक है। जमीनों के दस्तावेज, बैंक लॉकर और जेवर के साथ अन्य वस्तुओं, उपकरणों का मूल्यांकन होना शेष है। ऐसे में संपत्ति का आंकड़ा एक करोड़ तक और बढ़ सकता है।

पिता के नाम से खरीदी थी संपत्ति

महिला सब इंजीनियर ने भोपाल के बिलखिरिया में अपने पिता के नाम से करीब २० हजार वर्ग फीट जमीन खरीद रखी है। इसी जमीन पर आलीशान बंगला बना है। भोपाल के अवाला रायसेन और विदिशा जिले में भी बेनामी दौलत का खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार, महिला १३ साल से नौकरी कर रही है। वहीं, २०१६ में वह एमपी पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन (संविदा) के पद पर पदस्थ है। महिला का अपने पति से तलाक हो चुका है। फिलहाल लोकायुक्त की कार्रवाई जारी है।

अमेरिकी शिक्षाविद ने लिखा संघ और भाजपा को समझा नहीं गया

विशेष...

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा विश्व के प्रत्येक कोने में गहन चर्चा व बहस का विषय बना हुआ। इस कारण जब भी कहीं किसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की ख्याति प्राप्त मीडिया में कुछ प्रकाशित-प्रसारित होता है तो देखते-देखते सुर्खियां बन जाता है। हाल में अमेरिका के जाने-माने शिक्षाविद और वॉल स्ट्रीट जर्नल के स्तंभकार वाल्टर रसेल मिड ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के बारे में जो कुछ लिखा उस पर पूरी दुनिया में बहस चल रही है। चूंकि भारत में २०२४ लोकसभा चुनाव का माहौल बन रहा है इसलिए इसको भी उस संदर्भ में देखा जा रहा है। मिड ने लिखा है कि वर्ष २०१४ और २०१९ के आम चुनावों में लगातार भारी जीत के बाद अब भाजपा २०२४ में भी सफलता की ओर बढ़ रही है। इसे सुर्खियां बनना ही था। किंतु उनके लेख का महत्वपूर्ण बिंदु २०२४ का चुनावी आकलन नहीं है। संघ और भाजपा की पृष्ठभूमि, विचारधारा, उसके चरित्र के बारे में जो कुछ उन्होंने लिखा वह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। किसी भी सांस्कृतिक राजनीतिक संगठन और उसकी विचारधारा को उसकी सोच तथा वहां के भौगोलिक सांस्कृतिक धार्मिक राजनीतिक अवधारणाओं के आलोक में ही समझा जा सकता है। वाल्टर मिड ने इसे स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है। इस संदर्भ में उनकी तीन बातें महत्वपूर्ण है।

प एक, भाजपा ऐसे अनोखे राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास की बुनियाद पर खड़ा है जिससे भारतीय मूल्य और संस्कृति से परिचित लोग ही समझ सकते हैं।

प दो, भाजपा विश्व की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टी है पर इसको संभवत सबसे कम समझा गया है।

प तीन, बुनियाद कौन सी है?उनके लेख का स्वर यही यह भी है कि भाजपा को समझने के लिए संघ को भी समझना होगा।

उन्होंने संघ के बारे में लिखा है एक समय में हाशिए पर पड़ी विचारधारा के आधार पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आंदोलन चलाने वाला या संगठन दुनिया का सबसे मजबूत नागरिक संगठन है। ध्यान रखिए , दुनिया भर में चर्चा का विषय बना वाल्टर मीट का यह आलेख राहुल गांधी द्वारा लंदन में संघ को मुस्लिम ब्रदरहुड के समतुल्य बताने के बयान के तुरंत बाद आया है। विश्व में राहुल गांधी की बात पर बहस होगी या मिड की?

हालांकि विरोधी इससे खुश हो सकते हैं कि भाजपा की व्याख्या करते हुए मिड ने भी मुस्लिम ब्रदरहुड का नाम लिया है। उनके अनुसार भाजपा दुनिया की जीन तीन महत्वपूर्ण राजनीतिक पार्टियों कीसबसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों को साथ लाती हैं वे हैं,इजरायल की लिक्रिड पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना और मिस्र की मुस्लिम ब्रदरहुड। हालांकि इसे उन्होंने उस तरह नहीं लिया जैसे राहुल गांधी ने कहा।

उन्होंने लिखा है कि मुस्लिम ब्रदरहुड की तरह भाजपा पश्चिमी उदारवाद के कई विचारों और वरियताओं को खारिज करती है, आधुनिकता की प्रमुख विशेषताओं को अपनाती है।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की तरह भाजपा एक अरब से अधिक लोगों वाले राष्ट्र की अगुवाई करती है ताकि वह वैश्विक महाशक्ति बन सके।

इजराइल के लिक्रिड पार्टी की तरह भाजपा परंपरागत मूल्यों के साथ बाजार उन्मुख की अर्थव्यवस्था अपनाती है।

इसे केवल अमेरिका और वॉल स्ट्रीट के प्रसार क्षेत्रों के पाठकों को भाजपा अच्छे से समझाने की दृष्टि से दिया गया उदाहरण मानना चाहिए। दुनिया में संघ और भाजपा की तरह दूसरा कोई संगठन नहीं है जिससे उसकी तुलना की जाए। जो उदाहरण उनके समक्ष है उसे उन्होंने प्रस्तुत कर दिया। इसमें भी वह अपने दृष्टिकोण से भाजपा को इन सबसे अलग भी बताते हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा उन लोगों को भी आत्मसात करती है जो पश्चिमी संस्कृति और राजनीतिक विशेषता के चलते वर्षों से खुद को उपेक्षित व हाशिए पर महसूस करते थे।

इस तरह वह संघ और भाजपा के संघ को विश्व का अनोखा संगठन तथा इससे निकली भाजपा को भी सभी उपलब्ध पार्टियों से अलग साबित कर देते हैं।

वे लिखते हैं, अमेरिकी विश्लेषक विशेष रूप से वामपंथी उदारवादी अक्सर नरेंद्र मोदी के भारत को देखकर पूछते हैं कि यह डेनमार्क जैसा क्यों नहीं है? उसे अल्पसंख्यक विरोधी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन करने वाला मानते हैं। लिखते हैं कि वे यह नहीं समझते कि भारत एक जटिल जगह है। पूर्वोत्तर के ईसाई बहुल राज्यों में भी भाजपा ने उल्लेखनीय राजनीतिक सफलता प्राप्त की है।

एक अमेरिकी होते हुए भी उन्होंने इस सच्चाई को रेखांकित किया है कि आरएसएस के यहां तक पहुंचने के पीछे हजारों स्वयंसेवकों की कई पीढ़ियां खपीं है।

उन्होंने लिखा है कि स्पष्ट और सीमित सामाजिक आंदोलन के साथ शुरू हुए राष्ट्रीय नवीनीकरण के आंदोलन में सामाजिक विचार को और कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों के प्रयास लगे हैं ताकि स्पष्ट रूप से हिंदू धर्म को आधुनिकीकरण की ओर ले जाया जा सके।

जब हमारे ही देश के लोग हिंदू धर्म, हिंदुत्व राष्ट्र आदि की सही समझ नहीं रखते तो हम यह कल्पना नहीं कर सकते की पश्चिम का एक व्यक्ति हिंदुत्व, हिंदू धर्म आदि को बिल्कुल सही संदर्भों में समझ ले। बावजूद उन्होंने दुनिया ही नहीं भारत में भी उन लोगों की आंखें खोलने की कोशिश की है जो अभी तक संघ और उससे निकले संगठनों की विकासधारा को समझ नहीं पाए हैं। पीढ़ियां से उनका तात्पर्य क्या है?

१९२५ में डॉ केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापना के बाद गिनती करना मुश्किल है कि कितनी संख्या में प्रचारकों ने पूरा जीवन संघ और उससे निकले संगठनों के विस्तार तथा सशक्तिकरण में लगा दिया।

इस तरह का चरित्र विश्व के किसी संगठन में नहीं है। विद्वेष, घृणा, उग्रता जैसी विचारधारा वाले संगठन को इस तरह जीवनदानी कार्यकर्ताओं की फौज नहीं मिल सकती।

अमेरिकी वाल्टर रसेल मिड के इस विश्लेषण के बाद भारत के बाहर भारी संख्या में रुचि रखने वाले संघ और भाजपा तथा इससे जुड़े अन्य संगठनों को पूर्वाग्रह रहित होकर समझने की कोशिश करेंगे। भारत के अंदर भी संघ तथा भाजपा विरोधियों को ठहर कर अवश्य विचार करना चाहिए कि क्या उनकी धारणा सही है?

आलोचक कह सकते हैं कि मिड ने अमेरिका के रणनीतिक भविष्य की दृष्टि से भी भाजपा और संघ का विश्लेषण किया है। यानी उद्देश्य से की गई व्याख्या है। उन्होंने कहा है कि अमेरिकी लोग भाजपा और संघ के साथ जुड़ने के निमंत्रण को खारिज करने की स्थिति में नहीं है क्योंकि चीन के साथ तनाव बढ़ रहा है और अमेरिका को आर्थिक राजनीतिक साझेदार के रूप में भारत की जरूरत बढ़ती जा रही है। उनके विश्लेषण को यहीं तक खारिज करने का मतलब सच को पूरी तरह नकारना हो होगा।

अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों के पत्रकार-लेखक संघ और भाजपा के बारे में अक्सर अपने दृष्टिकोण से ही समझते व लिखते बोलते रहे हैं। भारत में भी ऐसे लोगों की ज्यादा संख्या है जो उनके दृष्टिकोण को ही प्रतिबिंबित करते हैं।

नेशन स्टेट, नेशनलिज्म, रिलीजन, रिलीजियस या थियोक्रेटिक स्टेट, कल्चर, स्वदेशी आदि का उनका अनुभव और ज्ञान हमेशा संघ भाजपा के बारे में टिप्पणी करने पर हाबी रहता है। इसलिए राष्ट्र राज्य, हिंदू राष्ट्र, राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, हिंदुत्व आदि को हमेशा उग्र सांप्रदायिक मजहबी और संकीर्ण राष्ट्रीयता के रूप में व्याख्यायित किया गया है। भारतीय संदर्भ में इन शब्दों के मायने बिल्कुल अलग है यह समझने की कोशिश जिन कुछ पश्चिमी विद्वानों ने कि उन्हें अपनी ही दुनिया में मान्यता नहीं मिली।

यह नहीं कहते कि वाल्टर रसेल मीट ने संपूर्ण रुप से भारत तथा संघ और भाजपा के दृष्टिकोण के अनुरूप विचार किया है। किंतु उन्होंने संघ और भाजपा के लोगों से मिलने तथा उनके साहित्य के अध्ययन करने के बाद काफी हद तक पूर्वाग्रह से परे हटकर संघ, उससे जुड़े अन्य संगठनों तथा भाजपा को सही परिपेक्ष में समझने की कोशिश की है।

साभार
(अवधेश कुमार)

यात्रा मन के बात की...

भारत के प्रधानमंत्री श्री. नरेंद्र मोदी का आम लोगों से संपर्क-संवाद निर्माण करने का तरीका अनोखा हैं। हाल ही के एक अध्ययन से इस तथ्य की पुष्टि हुई हैं। इन्स्टिट्यूट फॉर कॉंपिटिटिवनेस (आईएफसी), एक विश्वविद्यालय तथा कुछ एजेंसियों ने इस कार्यक्रम के प्रभाव के बारे में अध्ययन किया जो प्रधानमंत्री की अनोखी शैली, उनकी जनप्रियता तथा दूरदृष्टि को अधोरेखित करता हैं। इस अध्ययन में कहा गया हैं कि प्रधानमंत्री के रेडियो कार्यक्रम- मन की बात का भारत के विविध स्तर के लोगों पर सकारात्मक असर हुआ हैं। २०१४ से मन की बात कार्यक्रम शुरू हुआ और उसका १०० वा एपिसोड रविवार ३० अप्रैल २०२३ को प्रसारित किया गया। प्रधानमंत्री ने मन की बात के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के तरीकों को सूचित किया, लोगों को शिक्षित किया तथा उन्हे कृतिशील बनाया। इस पहल के माध्यम से प्रधानमंत्री विश्वास का वातावरण निर्माण करमे में और लोगों के साथ जुड़ने में सफल हुए। शोधकर्ता कहते हैं कि मन की बात ने भारत भर में लाखों लोगों को सफलतापूर्वक जोड़ा है, जागरूकता को बढ़ावा दिया है और विभिन्न मुद्दों पर संवाद को प्रोत्साहित किया है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से एक जन आंदोलन खड़ा हुआ, सामुदायिक कृति को प्रोत्साहन मिला तथा स्वच्छता के साथ ही अन्य मुद्दों पर काम करने के लिए लोग इकठ्ठा हुए। बताया जाता हैं इससे पहले ऐसा रेडियो शो करने वाले पहले व्यक्ति फ्रैंकलिन रुजवेल्ट थे जो कि अमेरिका के ३२ वें राष्ट्राध्यक्ष थे। उनके रेडियो शो का नाम था फायरसाईड चैट। महामंदी से बाहर आने के लिए विश्वास निर्माण करना तथा इमर्जन्सी बैंकिग एक्ट के बारे में लोगों को बताना इस शो का प्रमुख उद्देश था। इतिहास में कहा जाता हैं कि रुजवेल्ट ने इस शो को बतौर राजनैतिक संवाद तरीके की तरह इस्तेमाल किया। भारत के प्रधानमंत्री की मन की बात किसी एक या दो विषयों के बारे में नहीं होती। काला धन, नशाखोरी से मुक्ति, परीक्षाओं को लेकर छात्रों को मार्गदर्शन, किसानों के प्रश्न, हमारी सफलताएं, नवाचार की जानकारी ऐसे कई मुद्दों पर मोदी बात करते हैं और आम जनता उससे प्रभावित होती हैं। इस कार्यक्रम के कारण सामाजिक व्यवहार में भी बडा परिवर्तन दिख रहा हैं। स्वतंत्र भारत के ७५ सालों के इतिहास में पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने ऐसी पहल की हैं जो काबिले तारीफ हैं। जनता की भागीदारी के बिना किसी भी देश का विकास नहीं हो सकता। आज जब भारत विश्व की एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रेसर हैं तो इसमें ऐसी पहलों का योगदान भी हमें ध्यान में लेना होगा। स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं और फिट इंडिया मूवमेंट जैसे कई जागरूकता अभियान इस कार्यक्रम से प्रेरित हुए।

इन अभियानों का देश भर के लोगों के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। देश के सामूहिक विवेक को आह्वान करना और संगठित ताकत को देश के विकास के लिए निर्माण करना यह इस पहल का साध्य हैं जिसका श्रेय मोदीजी को दिया जाना चाहिए। संवाद अपने आप में एक कला हैं। उसे किसी भी तरह से इस्तेमाल किया जा सकता हैं। मोदीजी ने मन की बात कार्यक्रम से संवाद के तरीकों, परिणामों को एक नया आयाम दिया हैं जिससे सिर्फ सकारात्मकता, एकता की भावना और देश के लिए कुछ करने की, अपना-अपना योगदान देने की इच्छा लोगों में जागृत हुई हैं। इस कार्यक्रम के १०० वें संस्करण में मोदी जी ने भारत के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि मेरे लिए यह कार्यक्रम एक आध्यात्मिक यात्रा हैं। एक प्रधानमंत्री के लोकाभिमुख होने का इससे ज्यादा सटिक उदाहरण दूसरा हो नहीं सकता। मन की बात ने इतिहास में अपने लिए एक स्वतंत्र स्थान निर्माण कर लिया हैं, जिसे आने वाली कई सदियों तक याद रखा जाएगा। ***साभार***

आवरण कथा

अवधेश कुमार

हिंदूफोबिया की भयावह स्थिति

अध्ययन ने सामने लाई...

दुनिया के अलग-अलग स्थानों से हिंदूफोबिया यानी हिंदू विरोधी नफरत एवं हिंसा की बढ़ती घटनाएं गंभीर चिंता का विषय है। हम कई देशों में हिंदुओं, हिंदू प्रतीकों, हिंदू धर्मस्थलों आदि पर हमले के साथ-साथ हिंदू धर्म के विरुद्ध प्रचार अभियानों को देख रहे हैं। ब्रिटेन की द हेनरी जैक्सन सोसाइटी द्वारा जारी अध्ययन रिपोर्ट ने इस बात को फिर से साबित किया है कि हिंदू समाज के लिए यह कठिन चुनौती का समय है। रिपोर्ट का शीर्षक है, अँटी हिंदू हेट इन स्कूल्स। रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है कि ब्रिटेन के स्कूलों में हिंदू विरोधी घृणा चरम पर है और हिंदू बच्चों को अनेक देवी - देवताओं के पूजन, गाय को पवित्र मानने, जाति व्यवस्था आदि के आधार पर चिढ़ाया जाता है, अपमानित किया जाता है और उन्हें मुस्लिम बच्चे काफिर पुकारते हैं।

इसमें ९९८ हिंदू अभिभावकों से बातचीत की गई है। ५१% अभिभावकों ने कहा कि उनके बच्चों ने हिंदू विरोधी घृणा का सामना किया है। केवल १९% अभिभावकों ने कहा कि शिक्षण संस्थान इसकी पहचान कर ठीक करेगा।

यह ब्रिटेन में अपने किस्म की हिंदू विरोधी घृणा पर पहली अध्ययन रिपोर्ट है जो पिछले साल हुए लीसेस्टर में हिंदू विरोधी दंगों की रिपोर्ट के बाद आई है। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि हिंसा का एक प्रमुख कारण हिंदू विरोधी दुष्प्रचार ही था।

रिपोर्ट के कुछ अंश देखिए

- निरामिष होने का मजाक उड़ाते हुए एक बच्ची पर गाय का मांस फेंका गया और कहा गया कि तू इस्लाम ग्रहण कर लो तो हम परेशान करना बंद कर देंगे।
- एक छात्र को कहा गया कि हिंदू धर्म की पढ़ाई करना मूर्खता है क्योंकि यह ३३ करोड़ देवताओं के साथ हाथी, बंदर और मूर्ति की पूजा करते हैं।
- एक ईसाई ने हिंदू बच्चे को कहा कि हमारा यीशु तुम्हारे सारे देवताओं को नर्क में भेजेगा ।
- हिंदू धर्म में स्वास्तिक जैसे प्रतीक को हिटलर के प्रतीक से तुलना कर उसी तरह हिंदू बच्चों को निशाना बनाने की घटनाएं हुई जैसे एक समय यहूदियों के साथ होता था।

- रिपोर्ट में हिंदू बच्चों द्वारा इस्लाम या ईसाइयत के विरुद्ध टिप्पणी करने की बात नहीं है। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि मुस्लिम या ईसाई छात्र और शिक्षक आदि प्रतिक्रिया में ऐसा कर रहे हैं।

वास्तव में यूरोप अमेरिका सहित अनेक देशों में चल रहे हिंदूफोबिया यानी हिंदुओं के विरुद्ध अभियान और हिंसा का छोटा अंश इस रिपोर्ट में आया है। धर्मों व नस्लों के विरुद्ध घृणा पर शोध करने वाली अमेरिकी संस्था नेटवर्क कंटैजियन रिसर्च इंस्टीट्यूट ने अध्ययन में बताया है कि पिछले कुछ समय में हिंदू विरोधी टिप्पणियों में १००० प्रतिशत की वृद्धि हुई है। व्हाइट सुप्रीमॅसिस्ट (नस्लभेदी श्वेत समुदाय) और मुसलमानों को हिंदू विरोधी दुष्प्रचार और हिंसा में सबसे आगे बताया गया है। अध्ययन के अनुसार हिंदुओं और भारतीयों के विरुद्ध घृणा फैलाने में पाकिस्तान की भूमिका भी बहुत बड़ी है। पाकिस्तान से हर दिन हिंदुओं के विरुद्ध हजारों नफरत फैलाने वाले ट्वीट किए जाते हैं। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं का एक समूह इसे अभियान के रूप में चलाता दिखा है तो ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नेताओं में भी ऐसे लोगों की संख्या है जो अपनी तथाकथित वामपंथी प्रोग्रेसिव सोच तथा कट्टरपंथी मुस्लिमों के प्रभाव में हिंदू धर्म, और रीति-रिवाजों का उपहास उड़ाने को कर्तव्य मानते हैं।

दूसरे देशों की समस्या यह है कि वे अपने रिलीजन या मजहब के दृष्टिकोण से हिंदू धर्म और समाज की व्याख्या करते हैं। ब्रिटिश अध्ययन में छात्र - छात्राओं के अभिभावकों ने बताया कि पाठ्यपुस्तकों में हिंदू धर्म का उल्लेख वस्तुतः उसका मजाक उड़ाने वाला है। इसलिए इसका अध्ययन छात्र-छात्राओं के अंदर हिंदू धर्म और हिंदुओं के बारे में गलत धारणा पैदा करता है। अब्राह्मिक रिलिजन के आईने में हिंदू धर्म की व्याख्या हो ही नहीं सकती। पर समस्या इतनी भर होती तो हिंदू संगठन, अलग-अलग पंथ, संप्रदाय से लेकर योग, अध्यात्म, दर्शन आदि पर काम करने वाली संस्थाएं बड़े पैमाने पर अनेक देशों में सक्रिय है उनमें रुचि लेकर समझने की कोशिश की जाती। जहां तक ईसाइयों के व्यवहार का प्रश्न है तो भारत सहित एशिया, अफ्रीका पर शासन करने वाले अंग्रेजों ने द व्हाईट मेन्स बर्डन सिद्धांत दिया जिसका अर्थ था कि इन देशों के लोगों को सभ्य बनाने की जिम्मेदारी हमारी है और इसी कारण हम शासन कर रहे हैं। श्रेष्ठतर सभ्यता-संस्कृति का यह भाव खत्म नहीं हुआ है। इस कारण इन देशों में भी हम धार्मिक -सांस्कृतिक श्रेष्ठतावाद समूह और ईसाई उग्रवाद देख रहे हैं। मुस्लिमों के रवैये की व्याख्या इनसे नहीं हो सकती। मुस्लिम कट्टरवाद ऐसा मजहबी श्रेष्ठतावाद है, जो मानता है कि एकमात्र इस्लाम ही मजहब है और अन्य मजहब का अस्तित्व इस्लाम विरोधी है। इसलिए हर मजहब उनके निशाने पर हैं । भारत के बाहर के हिंदू उन्हें अपना शिकार लगते हैं क्योंकि अन्य कोई देश हिंदू बहुमत वाला नहीं है।

हालांकि यह स्थिति पहले से थी लेकिन हिंदुओं के विरुद्ध दुष्प्रचार, नफरत एवं हिंसा में वृद्धि हाल के कुछ वर्षों में हुई है। तो क्यों?

हिंदू संगठनों द्वारा व्यापक पैमाने पर दुनिया भर में काम करना शुरू किया है। इनके कारण हिंदू जहां भी है अनेक सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक, बौद्धिक रचनात्मक गतिविधियां चला रहे हैं। इनका प्रभाव भी बढा है । दुनिया भर में भारतवंशियों की संख्या करीब ३.५ करोड़ है जिनमें हिंदू सबसे ज्यादा हैं। ये अनेक देशों में शीर्ष पदों पर ही नहीं कारोबार, विज्ञान, संस्कृति, अकादमी मीडिया आदि में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद छोटे देशों में भी भारतवंशियों को संबोधित कर उनके अंदर अपनी संस्कृति व सभ्यता के प्रति गर्व का भाव तथा भारत के प्रति भावनात्मक लगाव पैदा करने की कोशिश की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित अनेक संगठन लंबे समय से काम कर रहे हैं, इसलिए उन सभाओं का व्यापक असर हुआ। हमारे उत्सव और धार्मिक दिवसों से लेकर भारत के स्वतंत्रता दिवस आदि अलग-अलग देशों में भी धूमधाम से मनाए जाते हैं। भारतीय एवं भारतवंशी हिंदू संकोच और हिचक त्याग कर अपनी संस्कृति, सभ्यता और अध्यात्म को लेकर मुखर हुए हैं। भारत के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय प्रभाव के कारण उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

कोई भी समुदाय इस तरह उठकर खड़ा होगा तो स्वयं को श्रेष्ठ मानने वालों को समस्यायें पैदा होगी। हालांकि हिंदू प्रतिक्रिया में गुस्से में आ सकता है, किसी मजहब, पंथ या समुदाय से घृणा या उसके विरुद्ध हिंसा हिंदुओं के स्वभाव में नहीं। किंतु पाकिस्तान और उससे प्रभावित मुसलमानों के समूह ने हिंदूफोबिया को यह कहते हुए बढ़ाया है कि संघ तथा नरेंद्र मोदी सरकार की विचारधारा दूसरे मजहब को कुचलने वाली है, मुस्लिमों पर जुल्म हो रहे हैं ,उनकी मजहबी गतिविधियां बाधित की जा रही हैं। इंग्लैंड के मस्जिदों से ऐसी तकरीरें सामने आती हैं। यही स्थिति अमेरिका एवं अन्य देशों की भी हैं। प्रश्न है कि इसका सामना कैसे किया जाए? भारत ने पिछले वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ में इस विषय को दो बार उठाया । इससे संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य देशों तक विषय पहुंचा है तथा भारत की कोशिश है कि विश्व संस्था अपने विमर्श और प्रस्ताव में इसे शामिल करे। सरकार से परे हिंदूफोबिया के हकीकत बनने के बाद सतर्क हिंदू और हिंदू संगठनों ने भी समानांतर सकारात्मक अभियान चलाया है। इसका परिणाम पिछले महीने अमेरिका के जॉर्जिया में हिंदूफोबिया के विरुद्ध पारित प्रस्ताव है। इस प्रस्ताव में न केवल हिंदू धर्म, सभ्यता व संस्कृति की सच्चाई प्रकट की गई बल्कि अमेरिका में हिंदुओं का योगदान स्वीकार करते हुए हिंदूफोबिया फैलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की भी बात की गई है । हिंदू संगठन हिंदू धर्म और हिंदू समुदाय की सच्चाई से अवगत कराने के लिए लगातार कार्यक्रम कर रहे हैं जिनका असर हुआ है। तो निष्कर्ष यह कि विपरीत परिस्थितियों को अवसर मानकर सतर्क सक्रिय हिंदू समुदाय और संगठन अपनी धर्म संस्कृति, भारतीय राष्ट्रवाद की अवधारणा आदि को लेकर व्यापक प्रचार प्रसार करें, दुनियाभर में हिंदुओं के अंदर आत्मविश्वास पैदा हो तो इस सांस्कृतिक एवं भौतिक हमले का न केवल मुकाबला किया जा सकता है बल्कि हिंदू धर्म, सभ्यता और संस्कृति की स्वीकार्यता भी बढ़ाई जा सकती है। हिंदू धर्म का टकराव किसी अन्य रिलीजन, मजहब या पंथ से हो ही नहीं सकता क्योंकि सर्वधर्म समभाव इसका मूल है। इस्लामी चरमपंथ ने अपनी भूमिका से संपूर्ण विश्व को डराया है। ब्रिटेन में ही काफी संख्या में ईसाई लोगों ने जेलों में इस्लामिक हमलों से ईसाइयों की सुरक्षा के विरुद्ध कानूनी लड़ाई आरंभ किया है। यह स्थिति अनेक देशों में है। इसमें हिंदू समुदाय अपने धर्म, संस्कृति के आधार पर ऐसी भूमिका निभा सकता है जिससे संपूर्ण विश्व समुदाय के अंदर हिंदूधर्म के सर्वधर्म समभाव जैसे मूल व्यवहार अपनाने की संभावना बलवती होगी।

साभार

दिल्ली

-९८११०२७२०८

मन की बात के माध्यम से शिक्षा में परिवर्तन

नई दिल्ली : मन की बात ने समाज के सभी वर्गों को प्रभावित किया है इस कार्यक्रम के माध्यम से लोग राष्ट्रहित के लिए निर्धारित महान लक्ष्यों को पूरा करने में योगदान के लिए प्रेरित हुए हैं।

३ अक्टूबर, २०१४ को शुरू हुई मन की बात भारत के प्रधानमंत्री का एक बहुत लोकप्रिय कार्यक्रम है जिसने पिछले नौ वर्षों में प्रसारण की १०० कड़ी पूरी की हैं इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने देश को बेहतर बनाने के लिए सैकड़ों विभिन्न मुद्दों को उठाया है। ये सभी मुद्दे गहन अनुसंधानों और देश भर के विभिन्न हितधारकों और विभिन्न विषयों में कार्यरत विशेषज्ञों से मिले विशेष फीडबैक पर आधारित हैं। मन की बात के माध्यम से उन्होंने देश के सामने विभिन्न शैक्षिक पहलुओं सहित चिंताओं को तथ्यों और आंकड़ों के साथ प्रस्तुत किया है और इसके लिए जन समुदाय की उत्साही प्रतिक्रिया मिली है। मन की बात कार्यक्रम ने समाज के सभी वर्गों को प्रभावित किया है और वे राष्ट्रहित के समक्ष निर्धारित महान लक्ष्यों को पूरा करने में योगदान देने के लिए प्रेरित हुए हैं। आज ३० अप्रैल, २०२३ को मन की बात की १००वीं कड़ी का प्रसारण हुआ। इस अवसर पर मन की बात कार्यक्रम के जरिए भारतीय शिक्षा प्रणाली के बदलाव में सरकार के शिक्षा मंत्रालय और विभिन्न स्वायत्त संस्थानों द्वारा शुरू की गई पहल की झलक दिखाई देती है।

शिक्षा मंत्रालय ने कला उत्सव के माध्यम से एक भारत श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत कलात्मक प्रतिभाओं की पहचान की है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय योग ओलंपियाड, पारंपरिक भारतीय खिलौनों और खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों में खिलौना-आधारित पद्धति को प्रोत्साहित करने, परीक्षा पे चर्चा और निपुण भारत जैसी कई पहल की हैं। स्कूलों के लिए राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, डिजिटल शिक्षा के लिए एनडीईएआर, मनोदर्पण और सहयोग, प्रधानमंत्री ई-विद्या, स्वयंप्रभा चैनल और कई अन्य कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के शिक्षाविद और प्रोफेसर भी ऐसे विचारों से प्रेरित थे। प्रधानमंत्री शिक्षाविदों के संज्ञान में ये विचार लाए और उन्हें मूर्त रूप देने के लिए कई पहल की।

मन की बात की छियासठवीं कड़ी में, प्रधानमंत्री ने देश के पारंपरिक खेलों और खिलौनों को बढ़ावा देने का आह्वान किया और खिलौना उद्योग की गुणवत्ता और सस्ते खिलौनों (प्लास्टिक से बने) के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे विपरीत प्रभाव संबंधी मुद्दों के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की थी। जून और जुलाई २०२० की पिछली कड़ी में उन्होंने पहले ही लोकल के लिए वोकल की अवधारणा पर बल दिया और राष्ट्रीय लॉकडाउन के दौरान घर में ही पारंपरिक खेलों पर ध्यान देने को कहा, ताकि कोविड संक्रमण से बचाव के साथ-साथ पारंपरिक खेलों के प्रति लोगों का ध्यान आकृष्ट हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में भी आनंदपूर्ण शिक्षा पर बल दिया गया है। शिक्षा मंत्रालय ने इसे बहुत गंभीरता से लिया और दो साल के अंतराल में खिलौना आधारित शिक्षण के माध्यम से भारतीय खिलौनों को बढ़ावा देने का संदेश घर-घर तक पहुंच गया। स्कूल प्रणाली में पारंपरिक खिलौनों का स्थान, शिक्षा की नीव के लिए नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क और स्कूली शिक्षा के लिए ड्राफ्ट नेशनल करिकुलम

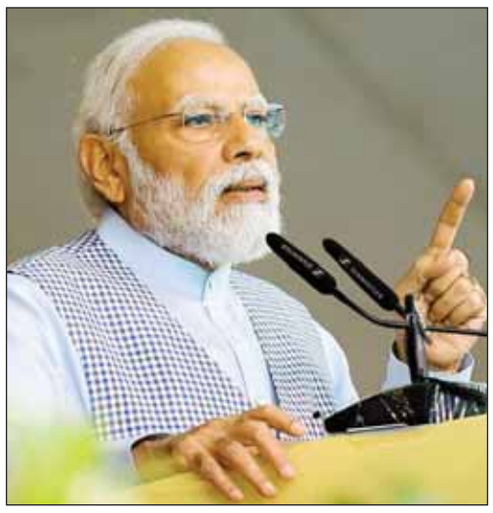

फ्रेमवर्क, फाउंडेशनल स्टेज के लिए शिक्षण सामग्री स्कूल के सभी चरणों और विषयों के लिए खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र की पुस्तिका, अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सेमिनार और वेबिनार, खिलौना हैकथॉन, स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय खिलौना मेला शामिल हैं। इनमें २०२० से कला उत्सव में स्वदेशी खिलौनों और खेलों की एक अलग श्रेणी शामिल है, इसमें दो सौ लड़के और लड़कियों ने भाग लिया। बुनियादी और माध्यमिक चरणों के लिए निष्ठा प्रशिक्षण मॉड्यूल लाया गया जहां २१ लाख से अधिक शिक्षकों ने खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र का मॉड्यूल शामिल किया है। ये स्कूली शिक्षा में एनसीईआरटी और अन्य संस्थानों द्वारा की गई कुछ महत्वपूर्ण पहल हैं, प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप स्कूल की गतिविधियों और कक्षा प्रणाली में पारंपरिक भारतीय खेलों और खिलौनों को शामिल किया गया है।

मन की बात के अपने कई प्रसंगों में, प्रधानमंत्री ने प्राचीन काल से मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए योग के अभ्यास की परंपरा को महत्वपूर्ण बताया है और २०१५ में संयुक्त राष्ट्र महासभा में २१ जून का दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया। शिक्षा मंत्रालय ने विभिन्न आयु समूहों के वास्ते स्कूलों के लिए राष्ट्रीय योग ओलंपियाड का प्रस्ताव रखा और एनसीईआरटी २०१६ से इस ३ दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। तीन साल तक कोविड महामारी के कारण यह आयोजन नहीं हो सका और इसके स्थान पर ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया गया। छठी से बारहवीं कक्षा के १०-१८ वर्ष आयु वर्ग के सैकड़ों छात्र स्कूल, जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं से राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचते हैं। अब तक सोलह सौ से अधिक छात्र-छात्राएं हिस्सा ले चुके हैं। इस प्रकार, बहुत बड़ी संख्या में स्कूल और छात्र इस आयोजन के विभिन्न स्तरों में भाग लेते हैं। मन की बात का लोगों पर यह प्रभाव पड़ा है।

प्रधानमंत्री को देश के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण विशेष रूप से बच्चों की कल्याण की सर्वदा चिंता रही है। उन्होंने मन की बात प्रसारण के माध्यम से छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित तनाव, परीक्षा के दबाव, साथियों और माता-पिता के दबाव के बारे में कई मुद्दों को उठाया। मंत्रालय ने कई सिफारिशें और पहल की हैं जिनमें परीक्षा पे चर्चा और मनोदर्पण बहुत प्रभावी कार्यक्रम हैं। परीक्षा पर चर्चा एक वार्षिक कार्यक्रम है, जहां परीक्षा के तनाव को दूर करने के लिए वे छात्रों को संबोधित करते हैं और मनोदर्पण के तहत जुलाई २०२० से कई गतिविधियां चल रही हैं, ताकि परिवारों को मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संबल दिया जा सके। यह विद्यार्थियों, माता-पिता और शिक्षकों के लिए २४७ हेल्पलाइन है, जो छात्रों के कल्याण की बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं को दूर करने और पूरे विद्यालय प्रणाली में मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए लाई गई है। मनोदर्पण के वेबपेज में छात्रों, माता-पिता और शिक्षकों के लिए सलाह और दिशानिर्देश, परामर्शदाताओं की निर्देशिका (स्कूल और कॉलेज/विश्वविद्यालय दोनों स्तर पर लगभग ३५० परामर्शदाता) के साथ-साथ अन्य सहायक सामग्री शामिल हैं। छात्रों और शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति और उनके सामने आने वाली समस्याओं का पता लगाने के लिए नियमित साप्ताहिक ऑनलाइन बातचीत सत्र आयोजित किए जाते हैं और मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण आयोजित किया जाता है।

कोविड महामारी के दौरान कई राष्ट्रव्यापी डिजिटल शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इसमें सरकार के साथ-साथ कई राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों जैसे एनसीईआरटी, सीबीएसई, यूजीसी, इग्नू और एनआईओएस आदि ने भी अपनी महत्वपूर्ण भमिका निभाई। प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग ने गुणवत्ता को पूरा करने में योगदान दिया है और करोड़ों बच्चों की निर्बाध शिक्षा का समर्थन करने के लिए निष्ठा, ई-पाठशाला, एनआरओईआर, निपुण भारत अभियान, पीएम ई-विद्या, स्वयंप्रभा, दीक्षा आदि जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा मुहैया कराई गई। प्रतिदिन विद्यार्थियों की संख्या में बढ़ौत्तरी हुई और कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ती रही। आरआईई मैसूरु ने एक शोध किया जिसमें डिजिटल संसाधनों के उपयोग पर विद्यार्थियों और शिक्षकों के विचारों को शामिल किया गया। अध्ययन में कहा गया है कि ७७ प्रतिशत छात्र-शिक्षक प्रधानमंत्री के मन की बात के बारे में जानकारी रखते हैं, और वे इस कार्यक्रम को शिक्षण, प्रशिक्षण और विषय सामग्री में भी उपयोगी पाते हैं। अध्ययन में पाया गया कि ई-पाठशाला के संबंध में ८१ प्रतिशत, दीक्षा के लिए ७८ प्रतिशत, स्वयं के लिए ७८ प्रतिशत, निष्ठा के लिए ५२ प्रतिशत, एनआरओईआर के लिए ३८ प्रतिशत और स्वयं प्रभा के बारे ३६ प्रतिशत छात्र और शिक्षक जागरूक है। निपुण भारत मिशन नई शिक्षा नीति २०२० के बाद एक प्रभावी शिक्षण पद्धति साबित हुई है।

शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी द्वारा शुरू किए गए कुछ प्रारंभिक कार्यक्रमों के बारे में संकाय के सदस्यों ने शोध किया है और भारतीय शैक्षिक समीक्षा (आईईआर) का एक विशेष अंक, एनसीईआरटी की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में से एक, अप्रैल, २०२३ में प्रकाशित किया गया है। 'मन की बात' का प्रभाव विषय पर दस शोध पत्र हैं इनमें से तीन अंग्रेजी में, दो-दो मराठी, गुजराती और कन्नड़ में और एक उड़िया में है। ***साभार***

एपीवाई नामांकन ५.२० करोड़ के पार

नई दिल्ली : अटल पेंशन योजना के अंतर्गत ३१ मार्च, २०२३ तक कुल ५.२० करोड़ से अधिक नामांकन किए गए। वित्त वर्ष २०२२-२३ में १.१९ करोड़ से अधिक नए अंशदाताओं का नामांकन हुआ है, पिछले वित्तीय वर्ष में ९९ लाख अंशदाताओं ने इस योजना में नामांकन किया था। इस प्रकार नामांकन में २० प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। अब तक अटल पेंशन योजना में प्रबंधन के अंतर्गत कुल परिसंपत्ति (एयूएम) २७,२०० करोड़ रुपये से अधिक है। योजना के आरंभ होने के बाद अब तक इसने ८.६९ प्रतिशत का निवेश लाभ अर्जित किया है।

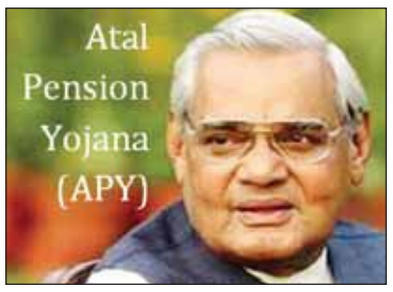

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की श्रेणी में, ९ बैंकों ने वार्षिक लक्ष्य अर्जित किया है, जबकि बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक की प्रति शाखा ने १०० अटल पेंशन योजना खाते खोले हैं।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की श्रेणी के तहत ३२ बैंकों ने वार्षिक लक्ष्य अर्जित किया है, जबकि झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, विदर्भ कोंकण ग्रामीण बैंक, त्रिपुरा ग्रामीण बैंक और बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ने प्रत्येक शाखा में १६० से अधिक अटल पेंशन योजना खाते खोले हैं। तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक, धनलक्ष्मी बैंक और एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने वित्त मंत्रालय द्वारा आवंटित वार्षिक लक्ष्य की उपलब्धि हासिल की है।

इसके अतिरिक्त १२ राज्यों - बिहार, झारखंड, असम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और उत्तराखंड ने भी अपनी संबंधित राज्यस्तरीय बैंकर समिति (एसएलबीसी) की सहायता और समर्थन से अपने वार्षिक लक्ष्य अर्जित किए हैं।

अब मेरे ऊपर कोई केस नहीं -इमरान खान

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने अल-कादिर ट्रस्ट मामले में खान को सुरक्षात्मक जमानत दी है। अब उन्हें १७ मई तक किसी भी मामले में गिरफ्तार नहीं किया जा सकता है। इसी बीच पीएम शहबाज शरीफ ने कैबिनेट बैठक बुलाई। साथ ही शरीफ सरकार के २-३ मंत्रियों ने देश में इमरजेंसी की सिफारिश की है। इस दौरान पाकिस्तान में काफी सियासी हलचल है।

पीटीआई प्रमुख इमरान खान ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट से एक वीडियो जारी किया है। वीडियो में वह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं, अब तीन घंटे हो गए हैं। तीन घंटे से मुझे इन्होंने यहां अदालत के अंदर रखा हुआ है, जाने नहीं दे रहे हैं। कभी कोई बहाना मार रहे हैं, कभी कोई बहाना मार रहे हैं। मैं आज सारी कौम से कहना चाहता हूं कि अदालत ने मुझे हर जगह जमानत दे दी है। मेरे ऊपर अब कोई केस नहीं है। मैं आजाद हूं। उसके बावजूद इन्होंने मुझे यहां किडनैप कर रखा हुआ है। जबरदस्ती रखा हुआ है। मैं सारी कौम को बताना चाहता हूं कि इनकी बदनीयती है। ये फिर से कुछ करना चाहते हैं। सारी कौम तैयार हो जाएं। जब अदालतों के फ़ैसलों माने जा रहे हैं। जिस मुल्क के अंदर कानून की हैसियत ही खत्म हो गई है, तो आवाम को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहिए। नहीं तो हम अब भेड़-बकरियां बन जाएंगे।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख इमरान खान की गिरफ्तारी से गुस्साए सैकड़ों समर्थकों ने पेशावर स्थित ऐतिहासिक रेडियो पाकिस्तान की इमारत में तोड़फोड़ की। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सैकड़ों हिंसक प्रदर्शनकारियों ने पेशावर के उत्तर-पश्चिमी शहर में रेडियो पाकिस्तान की इमारत पर हमला किया और आग लगाने से पहले उपकरणों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

इमरान की गिरफ्तारी के बाद पंजाब प्रांत में ३००० लोगों को पकड़ा गया: पाकिस्तान पुलिस

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने शुक्रवार को दावा किया कि इस हफ्ते की शुरुआत में पूर्व प्रधानमंत्री की गिरफ्तारी के बाद इमरान खान के समर्थकों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच हुई हिंसक झड़प के दौरान महिलाओं सहित ३,००० लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख खान को भ्रष्टाचार के एक मामले में सुरक्षात्मक जमानत दिए जाने के बाद शुक्रवार को पंजाब प्रांत में कानून व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में है।

'बाहुबली' फेम अनुष्का ने बॉलीवुड में किया डेब्यू

मुंबई : 'बाहुबली' में अनुष्का शेट्टी उर्फ देवसेना ने एक बार अपने प्रशंसकों को अपना दीवाना बना लिया था। हालांकि, वह पिछले कुछ सालों में फिल्मों में नजर नहीं आई हैं। वह एक बार फिर फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पोली' से फैंस के सामने आएंगी। बताया जा रहा है कि यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी। अनुष्का ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से लुक शेयर किया है। अनुष्का शेट्टी के लिए इस फिल्म का हिट होना बेहद जरूरी है। पिछले कुछ सालों में लगातार फ्लॉप फिल्मों के कारण उनके फिल्मी करियर में गिरावट आई है। 'बाहुबली २' के बाद उनकी फिल्मों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। लगातार फ्लॉप फिल्मों से अनुष्का के करियर पर काफी असर पड़ा। एक समय वह दक्षिण की सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्रियों में से एक थीं। अब कई अभिनेत्रियां उनसे आगे निकल चुकी हैं। अनुष्का को दोबारा पर्दे पर देखने के लिए फैंस को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह जल्द ही पता चल जाएगा कि आने वाले साल में फ्लॉप एक्ट्रेस का टैग हटेगा या नहीं।

राधिका मदन बेस्ट एक्ट्रेस के लिए नॉमिनेट!

मुंबई : अभिनेत्री राधिका मदन को उनकी फिल्म 'सना' के लिए २३वें न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। सीरियल में मदन के साथ दीप्ति नवल, कल्कि कोचलिन, निमिषा सजयन और शेफाली शाह हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित, इस फिल्म में मदन २८ वर्षीय महिला की मुख्य भूमिका में हैं।अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, मदन ने कहा, 'मैं सना को लाइव देखकर और मान्यता प्राप्त करने के लिए आभारी और खुश हूं।' फिल्म को दुनिया भर में प्यार मिला है। न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल के लिए नामांकित होना एक बड़ा सम्मान है।

यह २६वें तेलिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल और ३८वें सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर करने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म होने का गौरव रखती है। फिल्म को २५ वें यूके एशिया फिल्म फेस्टिवल के लिए ओपनिंग नाइट स्क्रीनिंग के रूप में चुना गया था। न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल उत्तरी अमेरिका में एक प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल है जो भारतीय फिल्मों और भारतीय डायस्पोरा का जश्न मनाता है। यह महोत्सव ११ मई से १४ मई, २०२३ तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें वैश्विक भारतीय समुदाय से सिनेमा का प्रदर्शन किया जाएगा।

'क्रिश ४' का निर्देशन करेंगे करण मल्होत्रा!

मुंबई : बॉलीवुड डायरेक्टर करण मल्होत्रा फिल्म क्रिश ४ का निर्देशन कर सकते हैं। राकेश रोशन ने २००३ में अपने बेटे ऋतिक रोशन के साथ सुपरहिट फिल्म कोई मिल गया बनाई थी।

राकेश रोशन ने इसके बाद २००६ में क्रिश, कोई मिल गया और २०१३ में केवल रितिक के साथ सीक्वल कृष ३ बनाई। 'क्रिश' फ्रेंचाइजी को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब फैंस इस फिल्म के चौथे पार्ट यानी 'क्रिश ४' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पिछले तीन भागों के विपरीत 'क्रिश ४' का निर्देशन पिता राकेश रोशन नहीं करेंगे,

लेकिन उन्होंने यह जिम्मेदारी करण मल्होत्रा को सौंपी है। करण मल्होत्रा इससे पहले ऋतिक के साथ फिल्म 'अग्निपथ' डायरेक्ट कर चुके हैं।

ऋतिक रोशन की 'क्रिश ४' जल्द शुरू होने वाली बताई जा रही है। राकेश रोशन ने 'क्रिश ४' की कहानी को अपने लेखकों के साथ पूरा किया है। राकेश रोशन को लगता है कि करण मल्होत्रा 'क्रिश ४' के लिए सही निर्देशक हैं और वह फिल्म में नयापन लाएंगे। वहीं, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद बतौर निर्माता फिल्म 'क्रिश ४' में शिरकत करेंगे।

ऋतिक रोशन फिलहाल सिद्धार्थ आनंद की 'फाइटर' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके अपोजिट दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। इसके बाद ऋतिक अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म 'वॉर २' की शूटिंग करेंगे। 'वॉर २' की शूटिंग पूरी करने के बाद ऋतिक 'क्रिश ४' की शूटिंग शुरू करेंगे।

ऋचा गायकवाड़ को पेंटिंग करना है पसंद

मुंबई : सीरियल 'शेतकारी नवरा हवा' दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। श्रृंखला के सभी कलाकारों का अभिनय उल्लेखनीय है। मुए अभिनेता प्रदीप घुले और ऋचा गायकवाड़ दोनों युवा अभिनेता हैं जिन्हें दर्शकों द्वारा सराहा जा रहा है। सीरियल में रेवा की तरह रियल लाइफ में भी ऋचा हरहुन्नरी हैं। वह गायन की शौकीन हैं और शास्त्रीय संगीत में प्रशिक्षित हैं। वह अपने खाली समय में सीरियल के सेट पर गाना गाती हैं। वह सोशल मीडिया पर अपने वीडियो भी पोस्ट करती हैं। ऋचा ने अभी-अभी सेट पर एक तस्वीर ली है। अपनी रुचियों के बारे में उन्होंने कहा, मुझे पेंटिंग करना बहुत पसंद है। मेरे पहले गुरु जयवंती प्रभु तेंदुलकर ने मुझे सिखाया कि पेंट का कैन कैसे पकड़ा जाता है। बाद में मैंने फाइन आर्ट्स में ११वीं और १२वीं पास की। वहीं से पेंटिंग और मेरा सफर शुरू हुआ।

'ड्रीम गर्ल २' की रिलीज डेट का ऐलान

मुंबई : आयुष्मान की फिल्म 'ड्रीम गर्ल' के कुछ ऐसे फन हैं जो 'मेरे दिल का टेलीफोन बजाता रिंग रिंग' कहकर नई पीढ़ी को दीवाना बना रहे हैं। अब इस फिल्म का सीक्वल 'ड्रीम गर्ल २' कहा जाने वाला है। फिल्म २५ अगस्त को रिलीज होने वाली है। पहले इसकी रिलीज डेट ७ जुलाई तय की गई थी। हालांकि इसमें देरी के बाद दर्शकों का इंतजार अगस्त में खत्म हो जाएगा। इस बात की जानकारी खुद आयुष्मान ने दी थी। देरी से उनके प्रशंसक नाराज हैं। अनन्या पांडे एकता कपूर की 'ड्रीम गर्ल २' में आयुष्मान के साथ नजर आएंगी।

मनोज वाजपेयी के जन्मदिन के मौके पर नई फिल्म की घोषणा

मुंबई : मनोज वाजपेयी हिंदी सिनेमा के बहुमुखी अभिनेताओं की लिस्ट में शामिल हैं। मनोज ने रविवार को अपना ५४वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उन्होंने अपने फन्स को एक खास सरप्राइज दिया है। उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'बांदा' की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म का ऐलान करते हुए पोस्टर भी शेयर किया है। इस पोस्टर में मनोज का एक अलग अंदाज देखा जा सकता है। यह फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है। इसे ज़ी५ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ किया जाएगा।

'सिंघम अगेन' की रिलीज डेट का ऐलान

मुंबई : अजय देवगन और रोहित शेट्टी एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। सिंघम का तीसरा भाग यानी 'सिंघम अगेन' जल्द ही पर्दे पर आएगा।

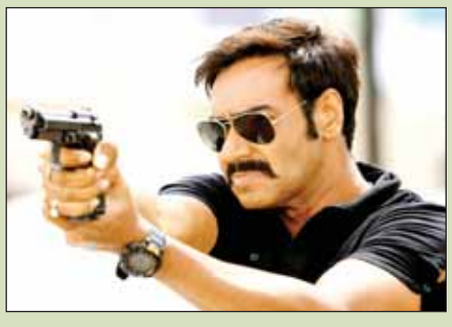

फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा हाल ही में की गई थी। यह फिल्म १५ अगस्त, २०२४ को रिलीज होने वाली है। फिल्मांकन जल्द ही शुरू होगा। इससे पहले रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की आखिरी दो किस्तों 'सिंघम' और 'सिंघम रिटर्न्स' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की है। अब ध्यान इस बात पर है कि 'सिंघम अगेन' अगले साल की दिवाली क्या दिखाएगा।

सलमान की फिल्म ने बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली : 'वॉन्टेड' के बाद सलमान ने शुरू किया हर ईद पर अपनी फिल्म रिलीज करने का सिलसिला इस साल सलमान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' २०२३ की ईद पर रिलीज हुई थी। इस साल की शुरुआत में, शाहरुख खान की 'पठान' ने बॉलीवुड के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और ५०० करोड़ से अधिक के संग्रह के साथ सबसे बड़ी बॉलीवुड फिल्म बन गई। फिल्म का सबसे लोकप्रिय पल सलमान का कैमियो था।

किसी का भाई किसी की जान शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस वीकेंड ईद है। करीब ४ साल बाद सलमान इस फिल्म के मौके पर सिनेमाघरों में पहुंचे हैं। सभी को इस फिल्म से शानदार ओपनिंग की उम्मीद थी। लेकिन बॉक्स ऑफिस की रिपोर्ट चौंकाने वाली है। १५.८१ करोड़ रुपये के साथ, 'किसी का भाई किसी की जान' का ओपनिंग कलेक्शन सभी उम्मीदों को पार कर गया है।

पिछले १० सालों में सलमान की किसी भी फिल्म ने १७ करोड़ से कम की कमाई नहीं की है। २०१२ में आई उनकी फिल्म 'एक था टाइगर' ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग ३३ करोड़ रुपये का ओपनिंग कलेक्शन किया था। इसके बाद से सलमान की फिल्मों का पहले दिन करीब २० करोड़ की कमाई करना आम बात हो गई है। कोरोना महामारी के कारण २०२० में सिनेमाघर बंद होने से पहले २०१९ में 'भारत' ने सलमान को उनके करियर की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस ओपनिंग दी थी। फिल्म ने पहले दिन ४२ करोड़ से ज्यादा की कमाई की। लेकिन १५.८१ करोड़ के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' २०११ के बाद से सलमान के करियर की सबसे कम ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है।

हिना खान के अंदाज की जमकर तारीफ

टीवी एक्ट्रेस हिना खान हमेशा ही चर्चा में रहती हैं। पिछले कुछ दिनों से उन्हें लगातार सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था। हिना की सोशल मीडिया पर जबरदस्त फन फॉलोइंग है। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और हर अपडेट अपने फस के साथ शेयर करती हैं। हाल ही में उन्होंने एक खास फोटो शेयर की है। कुछ दिनों पहले हिना ने बेहद बोल्ड लुक में फोटोशूट कराया था, जिसके बाद लोगों ने उन्हें ट्रोल कर दिया था। हिना खान ने हाल ही में एक खास फोटोशूट शेयर किया है। इस फोटो में वह कश्मीर में नजर आ रही हैं। उनका ये लुक उनके फन्स को काफी पसंद आया है। तो उनकी ये तस्वीरें वायरल हो रही हैं। ईद के मौके पर हिना खान ने पिंक और गोल्डन कलर का अनारकली सूट पहना है। इस ड्रेस में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उनकी इस फोटो पर खूब कमेंट्स किए जा रहे हैं।

केदार शिंदे की अपकमिंग फिल्म 'बाइपन भारी देवा' का टीजर रिलीज

'बाइपन भारी देवा' जीवन में आने वाली सभी माताओं, दादी, सास, मौसी, मौसी, चाचा, मौसी आदि की भावनाओं को साझा करता है। यूं तो फिल्म का प्लॉट महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमता है, लेकिन यह फिल्म भी उनसे जुड़े हर मर्द को बहुत कुछ बताने वाली है। फिल्म में छह बहनों की कहानी दिखाई गई है।

इन छह बहनों की कहानी जो किसी कारण से एक-दूसरे से अलग हो जाती हैं और अपने निजी जीवन में अलग-अलग समस्याओं का सामना करती हैं, सामान्य जीवन में सुपर महिलाओं की कहानी है। हमारे समाज में कई ऐसी महिलाएं हैं जो अपने स्तर पर अहम भूमिका निभा रही हैं लेकिन जाने-अनजाने में उन्हें हम नजरअंदाज कर देते हैं। फिल्म 'बाइपन भारी देवा' में एक्ट्रेस समाज में ऐसी महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी। इस फिल्म का टीजर एक खास मौके पर रिलीज किया गया।

'पोनियिन सेलवन २' ने ३१ करोड़ की कमाई

मुंबई: मणिरत्नम की 'पोनियिन सेलवन २' इस शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई है। इसका पहला एपिसोड सितंबर २०२२ में रिलीज किया गया था। अब मेकर्स ने पीएस-२ को करीब ३,२०० स्क्रीन्स पर रिलीज किया है। फिल्म के शुरुआती नंबर निर्माताओं के लिए राहत की बात हैं। वहीं, हिंदी बाजार के आंकड़े भी थोड़े चिंताजनक हैं।

शुरुआती आंकड़े मेकर्स के लिए राहत भरे हैं। आइए देखते हैं कि 'पोनियिन सेलवन २' का पहले दिन का कलेक्शन क्या है और किस भाषा में फिल्म को सबसे ज्यादा प्यार मिला। ऐश्वर्या राय अभिनीत- बच्चन, विकुम, कार्थी, तृषा कृष्णन, जयम रवि, शोभिता और ऐश्वर्या लक्ष्मी, 'पोनियिन सेलवन २' ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले दिन लगभग ३१ करोड़ रुपये की कमाई की है।

सुप्रीम कोर्ट का शिंदे सरकार को राहत

ठाकरे को गलत करार

देवेंद्र फडणवीस की पहली प्रतिक्रिया

मुंबई : सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एकनाथ शिंदे गुट को बड़ी राहत मिली है. महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की सरकार बनी हुई है. उगख ने अपने फैसले में कहा है, उद्धव ठाकरे ने फ्लोर टेस्ट का सामना नहीं किया है. बिना फ्लोर टेस्ट के उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दिया है. हम अयोग्यता पर फैसला नहीं लेंगे. अयोग्यता पर फैसला स्पीकर लें. अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भी पहली प्रतिक्रिया सामने आई है.

देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पूरी तरह संतुष्ट हैं. जो लोग कल तक कह रहे थे कि आज सरकार जाएगी, आज उनको जवाब मिल चूका है. उनकी सारी नीयत बदल चुकी है.

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को महाराष्ट्र में पिछले साल के शिवसेना केंद्रित राजनीतिक संकट में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर 'पूर्ण संतोष' व्यक्त किया है. फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, मैं उच्चतम न्यायालय के फैसले पर पूर्ण संतुष्टि व्यक्त करता हूं. बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने कहा, 'मैं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ फैसले पर विस्तार से टिप्पणी करूंगा.'

इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के राज्यपाल को पिछले साल ३० जून को तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को विधानसभा में बहुमत साबित करने के लिए बुलाना उचित नहीं ठहराया था, लेकिन यह कहते हुए यथास्थिति का आदेश देने से इनकार कर दिया कि उन्होंने फ्लोर टेस्ट का सामना नहीं किया और इस्तीफा दे दिया.

एकनाथ शिंदे गुट के विद्रोह के बाद ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाडी (एमवीए) सरकार के पतन के कारण हुए राजनीतिक संकट से संबंधित दलीलों के एक समूह पर एक सर्वसम्मत फैसले में, मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ भारत के डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि शिंदे गुट के भरत गोगावाले को शिवसेना के व्हिप के रूप में नियुक्त करने का हाउस स्पीकर का फैसला 'अवैध' था.

हालांकि, यह कहा गया कि चूंकि ठाकरे ने शक्ति परीक्षण का सामना किए बिना ही इस्तीफा दे दिया था, इसलिए सदन में सबसे बडी राजनीतिक पाटी बीजेपी के कहने पर शिंदे को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना राज्यपाल के लिए उचित था.

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपने फैसले में कहा कि वह उद्धव ठाकरे को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के पद पर बहाल नहीं कर सकता. इस फैसले के बाद कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि गेंद अब महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के पाले में है. उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट के १६ विधायकों को अयोग्य करार देने के संबंध में निर्णय लेने को लेकर विधानसभा अध्यक्ष के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की.

इस संबंध में बंबई उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस सी धर्माधिकारी ने कहा कि यह मुद्दा विशुद्ध रूप से एक राजनीतिक लडाई है, और इसे अदालत में नहीं ले जाया जाना चाहिए था. उन्होंने आगे कहा कि, 'अयोग्यता मामले पर फैसला विधानसभा अध्यक्ष का होता है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कोई समय अवधि निर्धारित नहीं की है कि इस समय सीमा के भीतर फैसला लिया जाना चाहिए.'

न्यायमूर्ति धर्माधिकारी ने कहा कि शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार, जिसमें दल- बदलू भी शामिल हैं, बरकरार रहेगी. उन्होंने कहा, आप (शिवसेना के शिंदे गुट के विधायक) मूल पार्टी से बाहर निकलते हैं. गोवा और गुवाहाटी जाते हैं और फिर किसी अन्य राजनीतिक दल के साथ जुड. (हाथ मिलाते हैं) जाते हैं. यह स्पष्ट रूप से दल-बदल का कृत्य है.'

वरिष्ठ अधिवक्ता मिलिंद साठे ने भी कहा कि, अब सभी की निगाहें विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर होंगी. उन्होंने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि मूल शिवसेना पार्टी का व्हिप वैध और कानूनी था. इसलिए, अब विधानसभा अध्यक्ष को गुण-दोष के आधार पर अयोग्य करार दिए जाने के मुद्दे पर फैसला करना चाहिए.' वरिष्ठ वकील ने यह भी कहा कि, शिंदे की बगावत के बाद ठाकरे को इस्तीफा नहीं देना चाहिए था.

मुंबई में ११ मई, २०२३ को शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकर्ताओं ने जून २०२२ में महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जश्न मनाया

विधायकों को जारी अयोग्यता नोटिस अध्यक्ष के पाले में- उज्ज्वल निकम

अधिवक्ता उज्ज्वल निकम ने कहा कि न्यायालय ने व्हिप के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण टिप्पणियां की हैं और महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल का फैसला कैसे गलत था. उन्होंने कहा, '१६ विधायकों को जारी किए गए अयोग्यता नोटिस के संबंध में गेंद अब अध्यक्ष के पाले में है. उन्हें इस मामले को सुनना होगा और गुण- दोष के आधार पर फैसला करना होगा.'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली तत्कालीन महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार को बहाल नहीं कर सकता क्योंकि उन्होंने पिछले साल जून में शक्ति परीक्षण का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया था. अदालत ने महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की भी खिंचाई की और कहा कि उनके पास इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए ऐसी सामग्री नहीं थी कि तत्कालीन मुख्यमंत्री ठाकरे ने सदन का विश्वास खो दिया था.

कर्नाटक नतीजे को लेकर राज ठाकरे ने बीजेपी पर साधा निशाना

मुंबई : कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अकेले दम पर सत्ता में आई है. कर्नाटक में कांग्रेस को १३५ सीटों पर जीत मिली है. इसलिए बीजेपी को एक महत्वपूर्ण राज्य खोना पडा है जिसे 'गेटवे ऑफ साउथ' के नाम से जाना जाता है. इसे लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने बीजेपी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. राज ठाकरे ने कहा कि कर्नाटक में जीत कांग्रेस की सफलता है और यह सोचने की प्रवृत्ति की हार है कि हमें कोई झुका नहीं सकता.

राज ठाकरे ने कहा, 'मैंने एक बार अपने भाषण में कहा था कि विपक्षी दल कभी जीतता नहीं है. शासक हार जाते हैं. यह प्रकृति और व्यवहार की हार है. यह इस सोच की पराजय है कि हमें कोई झुका नहीं सकता. जनता को कभी हल्के में न लें, यही सबक है. राज ठाकरे ने कहा, सभी को इससे सीख लेनी चाहिए. उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पर प्रतिक्रिया दी है.

देवेंद्र फडणवीस ने दिया जवाब

छत्रपति संभाजीनगर में मीडिया से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, 'हम अपनी हार का विश्लेषण करेंगे. इसके लिए हमें किसी की जरूरत नहीं है. बीजेपी कई चुनाव जीतती है, हम कुछ हारते हैं. कोई अजय नहीं है. हमारी चयन दर दूसरों की तुलना में बेहतर है. इसकी वजह है लोगों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा. कभी-कभी स्थानीय स्थानों पर ऐसी कठिनाइयाँ उत्पन्न हो जाती हैं. इसका विश्लेषण किया जाएगा,' फडणवीस ने कहा.

आशीष शेलार का ठाकरे को जवाब

आशीष शेलार ने कहा, 'राज ठाकरे केवल अपना वजूद दिखाने के लिए बयान देते हैं. हम उन्हें ज्यादा महत्व नहीं देते हैं,' आशीष शेलार ने राज ठाकरे से कहा.

सगाई के बाद परिणीति ने फैंस और मीडिया का किया शुक्रिया

लिखा- 'इतने प्यार और पॉजिटिविटी से हैं बेहद खुश'

मुंबई : परिणीति चोपडा और आप नेता राघव चा ने शनिवार, १३ मई को एक इंटीमेट सेरेमनी में दिल्ली में सगाई की थी. इसके बाद कपल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी रोका सेरमनी की कई तस्वीरें शेयर की थी. तब से फैंस परिणीति और राघव को जमकर बधाई दे रहे हैं. वहीं राघव के इंगेजमेंट के बाद एक्ट्रेस ने अब इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक बडा सा नोट शेयर किया है.

परिणीति ने नोट शेयर कर मीडिया और फैंस का किया थैंक्यू

परिणीति द्वारा इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किए गए नोट में लिखा गया है, ङ्कराघव और मैं पिछले कुछ हफ्तों में मिले प्यार और पॉजिटिविटी से बेहद खुश हैं, खासकर हमारी सगाई पर .हम दोनों अलग-अलग दुनिया से आते हैं, और यह जानकर हैरानी होती है कि हमारी दुनिया भी हमारी यूनियन से जुडती है. जितना हमने कभी सोचा था उससे भी बडा परिवार हमने पा लिया है.

हमने जो कुछ भी पढा या देखा है, उससे हम बहुत टच हुए हैं, और

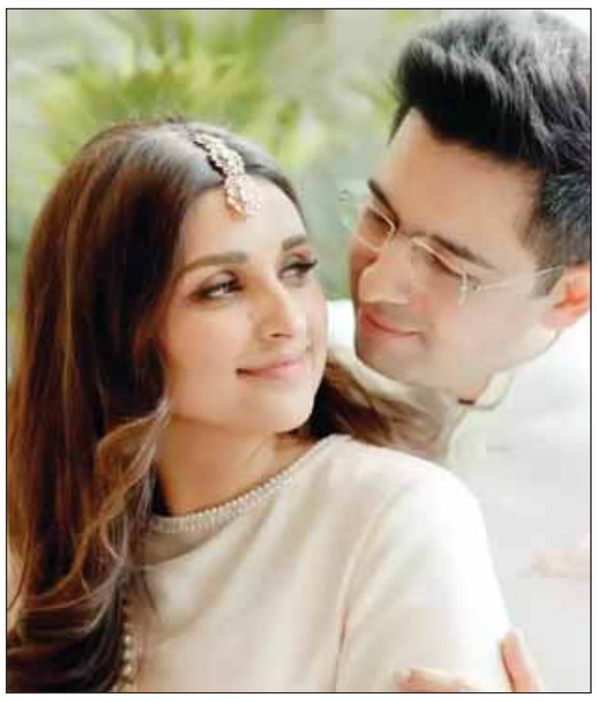

हम आप सभी का पर्याप्त शुक्रिया अदा नहीं कर सकते हैं. आप सभी हमारे साथ खडे.हैं, यह जानकर हम इस सफर पर निकले हैं.मीडिया में हमारे अमेजिंग फ्रेंड्स के लिए एक स्पेशल थैंक्स, पूरे दिन वहां रहने और हमें प्रोत्साहित करने के लिए थैंक्यू.

शरद पवार के घर महाविकास अघाडी की बैठक

२०२४ के लिए सीट शेयरिंग पर चर्चा

मुंबई : कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद महाराष्ट्र में भी हलचल तेज हो गई है. इस बीच रविवार (१४ मई) को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता शरद पवार के घर पर महाविकास अघाडी की बैठक बुलाई हुई. इस बैठक में लोकसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर प्राथमिक चर्चा हुई है. बैठक में लोकसभा को लेकर एकजुट होकर काम करने का फैसला किया गया. बैठक में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी चर्चा हुई.

आगे की बातचीत के लिए एनसीपी की तरफ से अजित पवार, जयंत पाटिल, शिवसेना (णइढ) से उद्धव ठाकरे,नसंजय राउत और कांग्रेस से नाना पटोले,अशोक चव्हाण और बालासाहब थोराट को जिम्मेदारी सौंपी गई है.

'एकता में मजबूती' के फॉर्मूले पर करेंगे काम

लोकसभा चुनाव में अब केवल १० महीनों का समय बचा है. ऐसे में एकता में मजबूती है, इस फार्मूले पर काम करने का तय हुआ है. बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि तीनों पार्टियां लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एकजुट होकर लडेंगी लेकिन सवाल ये है कि कांग्रेस को कर्नाटक में मिली जीत के बाद क्या कांग्रेस महाराष्ट्र में कम सीटों पर मानेगी.

नतीजों से बढा उत्साह- पाटिल

बैठक के बाद जयंत पाटिल ने कहा, कर्नाटक के नतीजों से हम सब उत्साहित हैं और हमारा आत्मविश्वास बढा है. अब हमारे कार्यकर्ता ज्यादा जोश के साथ जनता के बीच जाएंगी. उन्होंने कहा कि हार तो होती है लेकिन जिस तरह से बीजेपी की बडी हार हुई है, उससे आत्मविश्वास बढ. गया है. जयंत पाटिल ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट का निर्णय जनता के बीच पहुंचाएंगे.

एनसीपी नेता अजित पवार ने कहा, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सीटों के बंटवारे पर चर्चा हुई. कुछ नेताओं ने कहा कि लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव भी हो सकते हैं. ऐसे में इसकी भी तैयारी हमें करनी होगी. इस पर भी आगे की बैठक में चर्चा होगी

शरद पवार के आवास पर हुई अघाडी के घटक दलों की बैठक में उद्धव ठाकरे, अजित पवार, नाना पटोले, सुप्रिया सुले समेत कई बडे. नेता शामिल हुए.

अकोला के पुराने शहर में दो पक्षों के बीच झडप़, धारा १४४ लागू

डिप्टी सीएम कर रहे मामले की निगरानी

अकोला : महाराष्ट्र के अकोला जिले में पुराने शहर में शनिवार रात ११:३० बजे एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झडप़ हो गई, जिसमें दो पुलिसकर्मियों समेत आठ लोग घायल हो गए। इस घटना के बाद प्रशासन ने शहर में धारा १४४ लगा दी है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(एएसपी) मोनिका राउत ने बताया कि, इस हिंसक झडप़ में एक व्यक्ति के मारे जाने की भी आशंका जताई जा रही है। अमरावती से राज्य रिजर्व पुलिस के एक हजार जवानों को अकोला शहर में तैनात किया गया है

वहीं पुलिस ने अबतक इस मामले में २६ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। हिंसा को शांत करने के लिए पुलिस ने लोगों के ऊपर आंसू गैंस का इस्तेमाल किया।

हिंसक झडप़ का कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें दो समूह के सदस्यों को एक-दूसरे पर पथराव करते, वाहनों को क्षतिग्रस्त करते और सडक़ों पर हंगामा करते हुए दिखाया गया है। अकोला जिले के कलेक्टर नीमा अरोडा ने कहा कि हिंसक झडप़ों के बाद शहर में धारा १४४ लागू कर दी गई है।

पुलिस के मुताबिक, हिंसक भीड. ने कुछ वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। बताया जा रहा है कि मामूली विवाद के बाद हुई हिंसक घटना के बाद पुरानी शहर थाने के पास भारी भीड. जमा हो गई थी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि हिंसक भीड.ने इलाके में कुछ वाहनों को निशाना बनाया। इसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर स्थिति को नियंत्रण में किया।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, राज्य के उप मुख्यमंत्री मंत्री देवेंद्र फडणवीस स्थिति की निगरानी करते हुए लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

अकोला के एसपी संदीप घुगे ने कहा कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। जिला कलेक्टर के आदेश पर अकोला शहर में धारा १४४ लागू कर दी गई है। हाल के दिनों में अकोला में इस तरह की यह दूसरी घटना है। कुछ दिन पहले अकोट फाइल इलाके में भी दो गुटों के बीच हिंसक झडप़ हुई थी।

शहर के ओल्ड टाउन थाना क्षेत्र में शनिवार आधी रात को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गयी. इसमें सडक़ पर खडे. वाहनों में तोडफोड. की गई, वहीं पथराव भी जारी रहा. पथराव में घायल एक मजदूर विलास गायकवाड.की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए. घायलों में दो पुलिस कमी भी हैं, जिनमें महिला कांस्टेबल शैला खंदारे की हालत गंभीर है. इस बीच, ग्रामीण विकास मंत्री गिरीश महाजन ने रविवार दोपहर इलाके का निरीक्षण किया और कहा कि हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

लोगों ने किया पथराव

शहर के पुराना शहर क्षेत्र के हरिहर पेठ, पोला चौक, जय हिंद चौक के इलाकों में बडी संख्या में जत्थे सडक़ों पर उतरे. उन्होंने बाइक और ऑटो रिक्शा को निशाना बनाया और भारी नुकसान पहुंचाया. उन्होंने पत्थर भी फेंके. बढते तनाव को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा शहर और जिला थानों की पुलिस को स्थिति पर काबू पाने के निर्देश के बाद पुराने शहर में नाकेबंदी कर दी गयी. फिर भी लोग शांत होने का नाम नहीं ले रहे थे.

इलाके में आज भी इंटरनेट बंद

कार, ट्रैक्टर और कुछ बाइक में तोडफ़ोड. की गई और आग लगा दी गई. शनिवार आधी रात से चार थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया है. अकोला में फैली हिंसा के मामले में अब तक ४५ लोगों को गिरफ्तार किया गया है. इलाके में अभी तक इंटरनेट को बहाल नहीं किया गया है.

डीआरडीओ ने किया भूमिगत आयुद्ध भंडार ढांचे परीक्षण

नई दिल्ली : रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की दिल्ली स्थित प्रयोगशाला अग्नि, विस्फोटक एवं पर्यावरण सुरक्षा केन्द्र (सीएफईईएस) ने एक लंबवत साफ्ट आधारित भूमिगत आयुद्ध भंडारण सुविधा का डिजाइन बनाकर उसे विकसित किया है। यह विस्फोट के उपरी प्रभाव का लोप करने की क्षमता रखता है जिसके परिणामस्वरूप आसपास की सुविधाओं पर विस्फोट का प्रभाव कम पड़ता है।

इस भूमिगत आयुद्ध भंडारण ढांचे के डिजाइन वैद्यीकरण के लिये ३० अप्रैल २०२३ को सफल परीक्षण किया गया। यह परीक्षण सशस्त्र सेनाओं की उपस्थिति में भूमिगत भंडारण सुविधा के एक चैंबर में ५,००० किलोग्राम टीएनटी का विस्फोट करके किया गया।

सीएफईईएस टीम ने स्थल पर सार्थकता और पूरी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये यह परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान जो भी आंकड़े रिकार्ड किये गये वह सभी अनुमानों के अनुरूप रहे। इस भूमिगत सुविधा से यह सुनिश्चित हो सकेगा कि इसमें भीतर यदि विस्फोट होता है तो उससे साथ वाले चैंबर को कोई नुकसान नहीं होगा और उनका पूरी तरह से इस्तेमाल हो सकेगा।

उपयुक्त मात्रा में भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण सशस्त्र सेनाओं को उनकी जरूरत के मुताबिक गोला-बारूद रखने में परेशानी का

सामना करना पड़ रहा था। सुरक्षा के लिहाज से गोला-बारूद के भंडारण में काफी दूरी रखनी पड़ती है। जब आयुद्ध भंडारण भूमिगत होता है तो सुरक्षा के लिहाज से जो दूरी रखनी होती है वह काफी कम हो जाती है। यांत्रिक परीक्षण से प्राप्त परिणामों के आधार पर सुरक्षा दूरी को १२० मीट्रिक टन (४० मीट्रिक टन शुद्ध विस्फोटक पदार्थ) प्रति चैंबर आयुद्ध भंडारण सुनिश्चित किया गया है। आयुद्ध भंडारण के इस विशिष्ट डिजाइन की एक खूबी यह भी है कि इसमें सुरक्षा के लिहाज से दूरी कम होने के साथ ही लागत भी मौजूदा डिजाइनों के मुकाबले ५० प्रतिशत कम आती है। इस डिजाइन से भंडार में रखे गोला-बारूद को किसी भी तरह के हवाई हमले अथवा क्षति पहुंचाने जैसी गतिविधियों से उच्च सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

रक्षा शोध एवं विकास विभाग में सचिव और डीआरडीओ के चेयरमैन ने इस सफल यांत्रिक विस्फोट में शामिल पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि नई भंडारण सुविधा का सशस्त्र सेनायें सभी तरह के

आयुद्ध भंडारण के लिये व्यापक तौर पर इस्तेमाल कर सकतीं हैं। इस सुविधा ने भंडार में रखे गये आयुद्ध की हवाई हमले अथवा तोड़फोड़ से सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ भूमि की आवश्यकता को भी कम कर दिया है।

कोयला उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

नई दिल्ली : भारत ने कोयला उत्पादन के क्षेत्र में अप्रैल २०२३ के महीने के दौरान उच्चतम कोयला बाहर निकालने का एक नया रिकॉर्ड बनाया है। भारत ने अप्रैल २०२२ के दौरान ६७.२० मिलियन टन की तुलना में ८.६७% की वृद्धि के साथ ७३.०२ मिलियन टन (एमटी) कोयले का उत्पादन किया है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने अप्रैल २०२३ में ५७.५७ मिलियन टन का उत्पादन दर्ज किया है, जबकि अप्रैल २०२२ में ५३.४७ मिलियन टन कोयला बाहर आया था, जो ७.६७% की बढ़त को दर्शाता है।

कोयला मंत्रालय ने अपने नियंत्रण में आने वाले तथा निजी कोयला ब्लॉकों की खनन क्षमताओं का अधिकतम उपयोग करते हुए बाजार में अतिरिक्त कोयला जारी करने का मार्ग प्रशस्त किया है, यही कारण है कि अप्रैल २०२२ में उत्पादित ८.४१ मिलियन टन के सापेक्ष अप्रैल २०२३ में कोयले का उत्पादन १७.५२% बढ़कर ९.८८ मिलियन टन (तत्कालिक आंकड़ा) हो गया है।

कुल कोयले की रवानगी में अप्रैल २०२२ के दौरान ७१.९९ मिलियन टन के मुकाबले ११.७६% की तेजी दर्ज की गई है, जो अप्रैल २०२३ में ८०.४५ मिलियन टन तक हो गई है। यह मुख्य रूप से तेजी से निकासी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पीएम गति शक्ति के तहत सभी प्रमुख खानों के लिए रेल संपर्क संबंधी बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के संदर्भ में कोयला मंत्रालय द्वारा की गई पहल के कारण संभव हुआ है।

कोयला मंत्रालय ने कोयले की उपलब्धता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ नीलामी के ७वें दौर के तहत नीलामी हेतु १०३ कोयला/लिग्नाइट ब्लॉकों की पेशकश की है और खानों के लिए २९ समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनकी नीलामी ६वें दौर में की गई थी। २९ कोयला खदानों का कुल पीआरसी ७४ मिलियन टन प्रति वर्ष है। घरेलू उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार द्वारा की गई पहल के फलस्वरूप देश की आयातित कोयले पर निर्भरता कम होगी और इससे विदेशी मुद्रा की भी काफी बचत होगी।

ऑफ-द-शेल्फ घटकों से विकसित स्टार सेंसर का पहला परीक्षण

नई दिल्ली : ऑफ-द-शेल्फ घटकों से खगोलविदों द्वारा विकसित एक नया निम्न-लागत स्टार सेंसर हाल ही में इसरो द्वारा पीएसएलवी सी-५५ पर लॉन्च किया गया था। अपने पहले अंतरिक्ष परीक्षण में पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल (पीओईएम) पर स्थापित सेंसर अच्छा निष्पादन कर रहा है और आरंभिक डेटा ने अब इसकी रूपरेखा तथा इसके कार्य को भी सत्यापित कर दिया है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक स्वायत्त संस्थान, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) द्वारा विकसित स्टारबेरीसेंस पेलोड २२ अप्रैल को लॉन्च किया गया था। इस अभिनव निम्न-लागत सेंसर, जिसका डिजाइन शीघ्रता से यह गणना करने के लिए किया गया है कि उपग्रह कहां इंगित कर रहा है, इसका पहली बार अंतरिक्ष में परीक्षण किया जा रहा है। संस्थान के स्पेस पेलोड्स ग्रुप के खगोलविदों ने घोषणा की है कि स्टार बेरी सेन्स ने न केवल अंतरिक्ष में कठिन स्थितियों को सहन किया है बल्कि अपेक्षा के अनुरूप कार्य कर रहा है, प्रारंभिक डेटा यह भी दर्शाता है कि यह (प्वाइंटिंग डायरेक्शन) इंगित दिशा की गणना करने में सक्षम है।

किसी भी अंतरिक्ष मिशन के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि किसी भी समय उपग्रह को कहां इंगित किया जा रहा है। जहां ऐसा करने के कई तरीके हैं, एक स्टार सेंसर किसी स्पेसक्राफ्ट अंतरिक्ष यान के ओरिएन्टेशन के बारे में सबसे सटीक जानकारी प्रदान करता है। आईआईए में स्पेस पेलोड्स ग्रुप द्वारा डिज़ाइन किया गया स्टार्ट सेंसर अंतरिक्ष में अपने दृश्य के क्षेत्र में सितारों की पहचान करने के द्वारा अंतरिक्ष में अपने प्वाइंटिंग डायरेक्शन को प्राप्त करने में सक्षम है। परियोजना के तकनीकी प्रमुख और भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के पीएचडी छात्र भरत चंद्र ने कहा, इस पेलोड का निर्माण विख्यात मिनी कंप्यूटर स्पचबेरी पी के ईर्द-गिर्द किया गया है और इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर को इन-हाउस डिजाइन किया गया था। उन्होंने कहा, इस पेलोड का लाभ यह है कि यह किफायती, निर्माण में सरल है और विभिन्न प्रकार के उपग्रहों पर इसे तैनात किया जा सकता है।

स्टारबैरीसेंस प्रोजेक्ट के प्रधान अन्वेक्षक रेखेश मोहन ने कहा, स्टारबैरीसेंन्स को इसरो ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल (पीओइईएम) पर स्थापित गया था, जो हमारे पेलोड को प्रचालन के लिए एक स्थिर प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। पीओईएम इसरो की एक अनोखी पहल है जो वैज्ञानिक प्रयोगों को करने के लिए पीएसएलवी के चौथे चरण का उपयोग एक ऑर्बिटल प्लेटफॉर्म के रूप में करता है। यह अंतरिक्ष में अल्प अवधि के वैज्ञानिक प्रयोग करने का एक उत्कृष्ट अवसर है।

इसका प्राथमिक उद्देश्य अंतरिक्ष में इसकी उत्तरजीविता और निष्पादन का आकलन करना था। आईआईए के पूर्व विजिटिंग वैज्ञानिक और स्टारबेरीसेंस टीम के सदस्य बिनुकुमार ने कहा, उड़ान योग्यता परीक्षण अंतरिक्ष विज्ञान एमजीके मेनन प्रयोगशाला में किया गया था, जो होसकोटे में भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के क्रेस्ट परिसर में स्थित है। हमारे वेणु बापू वेधशाला में स्काई इमेजिंग परीक्षण किए गए। टीम के एक पीएचडी छात्र शुभम घाटुल ने कहा, लॉन्च के बाद के दिनों में हमने सत्यापित किया है कि स्टारबेरीसेंस अंतरिक्ष में अपेक्षा के अनुरूप निष्पादन कर रहा है।

स्टारबेरीसेंस का मुख्य दायित्व देखने के क्षेत्र की छवि बनाना, इसके द्वारा देखे जाने वाले सितारों की सही पहचान करना और इंगित दिशा की गणना करना है। टीम की एक पीएचडी छात्रा शुभांगी जैन ने कहा, प्रारंभिक डेटा के विश्लेषण ने पुष्टि की है कि इमेजिंग उपकरण अपेक्षित रूप से काम करता है, और ऑनबोर्ड सॉफ़्टवेयर पॉइंटिंग दिशा की गणना करने में सक्षम है। टीम के एक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर महेश बाबू ने कहा, पेलोड से प्राप्त छवियों का उपयोग करते हुए हम अंतरराष्ट्रीय डेटाबेस से डेटा की तुलना करके इसकी सटीकता सत्यापित कर रहे हैं।

रेखेश मोहन ने कहा, पीएसएलवी टीम के साथ काम करना पूरी टीम के लिए सीखने का एक बहुत अच्छा अनुभव था। इस सफल उद्यम में इन स्पेस का मार्गदर्शन और सहायता भी बहुमूल्य थी। टीम में मार्गारिटा सफोनोवा (डीएसटी महिला-वैज्ञानिक) और जयंत मूर्ति (विज़िटिंग प्रोफेसर) भी शामिल थे।

पीएम गति शक्ति एनएमपी बहुत बड़ी पहल : गडकरी

नई दिल्ली : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने मुंबई में इंडियन मर्चेंट चैम्बर (आईएमसी) द्वारा आयोजित 'इंडिया कॉलिंग कॉन्फ्रेंस २०२३' के दौरान पीएम गति शक्ति पर हुए एक सत्र में एक भाषण दिया। श्री गडकरी ने 'ब्रांड-इंडिया' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 'इंडिया कॉलिंग कॉन्फ्रेंस' आयोजित करने के लिए आईएमसी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि २०२५ तक भारत को ५ लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के हमारे माननीय प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए एक मजबूत, स्थिर, निर्णायक और पारदर्शी सरकार अहम है।

पीएम गति शक्ति परियोजना के बारे में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने कहा, पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान (एनएमपी) एक बहुत बड़ी पहल है और इससे हमें लॉजिस्टिक की लागत को कम करने में मदद मिलेगी। अमेरिका जैसी अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सकल घरेलू उत्पाद के ८ से ९ प्रतिशत की तुलना में भारत में लॉजिस्टिक लागत जीडीपी की १३ से १४ प्रतिशत के स्तर तक है, जो काफी ज्यादा है। ऊंची लॉजिस्टिक लागत वैश्विक बाजारों में 'मेड इन इंडिया' उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता को कम करती है। लॉजिस्टिक की लागत को जीडीपी के ९ प्रतिशत तक कम करना सरकार के एजेंडे में सबसे ऊपर है।

राजमार्ग नेटवर्क में सुधार की योजनाओं के बारे में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एनएचएआई राजमार्गों से सटे ६०० से ज्यादा स्थानों पर विश्व स्तरीय वेसाइड एमेनिटीज (डब्ल्यूएसए) यानी सड़क किनारे की सुविधाएं विकसित कर रहा है। अच्छे शौचालय, पार्किंग और रेस्तरां जैसी बुनियादी सुविधाओं के अलावा, इन वे साइड एमेनिटीज में ट्रक ड्राइवरों के लिए शयनगृह, ईवी चार्जिंग सुविधाएं, कन्वेंशन सेंटर, ट्रामा सेंटर और हस्तशिल्प और स्थानीय रूप से निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए खुदरा दुकानें भी होंगी। सड़क दुर्घटनाओं और अंग प्रत्यारोपण जैसी आपातकालीन चिकित्सा स्थितियों से निपटने के लिए कुछ डब्ल्यूएसए में हेलीपैड और ड्रोन लैंडिंग की सुविधाएं भी होंगी।

अपने संबोधन में पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि भारत उस गति से आगे बढ़ रहा है जो पहले कभी नहीं देखी गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था को १ ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने में ६० साल लगे और अब,

२०१४ के बाद केवल ९ वर्षों में, भारत लगभग साढ़े तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हो गई है।

श्री सोनोवाल ने कहा कि पीएम गति शक्ति एनएमपी के तहत, पत्तन, पोत परिवहन और जल मार्ग मंत्रालय ने २०२५ तक कार्यान्वयन के लिए ६२,२२७ करोड़ रुपये की १०१ परियोजनाओं की पहचान की है। इन १०१ परियोजनाओं में से ८,८९७ करोड़ रुपये की २६ परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, १५,३४३ करोड़ रुपये की ४२ परियोजनाएं विकास के चरण में है और ३६,६३८ करोड़ रुपये की ३३ परियोजनाएं कार्यान्वयन के अधीन हैं। कार्यान्वयन के तहत परियोजनाओं में से, २०,५३७ करोड़ रुपये की १४ परियोजनाओं के दिसंबर २०२३ तक पूरा होने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि १०१ गति शक्ति परियोजनाओं में से ९,८६७ करोड़ रुपये की १२ परियोजनाएं महाराष्ट्र में कार्यान्वित हो रही हैं, जिनमें से ३,१६५ करोड़ रुपये की ३ परियोजनाएं पूरी हो गई हैं। ६७५ करोड़ रुपये की २ परियोजनाएं विकास के चरण में हैं, वहीं बाकी ६,०२७ करोड़ रुपये की ७ परियोजनाएं कार्यान्वयन के दौर में हैं और इनके २०२५ तक पूरी होने का अनुमान है। सागरमाला परियोजना के तहत प्रगति के बारे में विस्तार से बताते हुए श्री सोनोवाल ने कहा कि सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत २०३५ तक ५.४ लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली ८०२ परियोजनाएं कार्यान्वित होनी हैं। १,२१,५४५ करोड़ रुपये की २२८ परियोजनाएं पूरी हो गई हैं और २.३६ लाख करोड़ रुपये की २६० परियोजनाएं कार्यान्वयन के अधीन हैं। महाराष्ट्र राज्य में, सागरमाला कार्यक्रम के तहत १,१३,२८५ करोड़ रुपये की १२६ परियोजनाएं हैं। १२६ परियोजनाओं में से १६,३९३ करोड़ रुपये की ३९ परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। १८,१४६ करोड़ रुपये की ४२ परियोजनाएं कार्यान्वयन के अधीन हैं। ७८,७४६ करोड़ रुपये की ४५ परियोजनाएं विकास के चरण में हैं। हरित पहलों के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि देश के राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन के तहत २०३५ तक सभी बड़े बंदरगाहों में ग्रीन हाइड्रोजन/ अमोनिया बंर और रिफ्यूलिंग की सुविधाएं स्थापित की जानी हैं। दीनदयाल, पारादीप और वी ओ चिदम्बरानार बंदरगाहों पर हाइड्रोजन बंकरिंग की स्थापना के लिए बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है।

इस अवसर पर रेलवे और कपड़ा राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने कहा कि आईएमसी की स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वदेशी आंदोलन में योगदान देने की समृद्ध विरासत रही है। उन्होंने कहा कि रेल क्षेत्र में ऐसी कई परियोजनाएं हैं जहां निवेश के अवसर हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया, कई घरेलू और विदेशी निवेशक रेल परियोजनाओं में निवेश करना चाह रहे हैं। रेल क्षेत्र में स्वचालित रूट से १०० प्रतिशत एफडीआई की अनुमति है। सरकार की २०३० तक रेल बुनियादी ढांचे में ७१५ अरब डॉलर का निवेश करने की योजना है। इससे पहले, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि परिचालन तैयारियों को बनाए रखने के लिए भारत मुख्य रूप से रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भर है और हमारे सामरिक लक्ष्यों के लिए आत्म निर्भरता और आयात पर निर्भरता को कम करना काफी अहम है।

सेवा भारती चार महत्वपूर्ण आयामों पर पूरे देश में कर रहा कार्य

बैतूल : सेवा भारती बैतूल द्वारा रविवार को मातृ छाया शिशु गृह के बच्चों का नामकरण कार्यक्रम एवं सेवा बस्तियों के लिए चलित चिकित्सालय सहित गोठी कॉलोनी में योग केंद्र का शुभारंभ किया गया। शिशु गृह नामकरण कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सांसद डीडी उइके, आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे एवं सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सोलंकी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बारस्कर, रेडक्रॉस सोसाइटी जनरल सेक्रेटरी प्रदीप त्रिपाठी समाजसेवी, प्रेम शंकर मालवीय, सेवा भारती ज़िला अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक रामवीर कौरव, श्री हेमंत खंडेलवाल पूर्व संसद उपस्थित रहे।

ज़िला अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल ने सेवा भारती में चल रहे सभी सेवा प्रकल्प का विस्तार में अवलोकन किया, साथ ही उन्होंने बताया कि मातृछाया शिशु ग्रह २०१५ से बैतूल में बेसहारा लाचार एवं जिनके माता-पिता दुर्घटना में नहीं रहते उनके बच्चे या शासन के माध्यम से अनाथ बच्चे इस प्रकार के बच्चों का लालन पालन पोषण एवं उनके भविष्य को देखते हुए उन्हें शासन के नियमानुसार गोद देने का काम सेवा भारती मातृछाया द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि सेवा भारती चार आयामो पर कार्य कर रही है शिक्षा स्वास्थ्य सामाजिक एवं स्वाबलंबन चार कार्य में सेवा भारती पूरे देश भर में कार्य कर रही है। सेवा भारती का कार्य समाज सेवा, एवं महिलाओ को स्वावलंबन बनाने का कार्य बताया गया। संगठन मंत्री सुरेंद्र सोलंकी ने कहा कि सेवा भारती बैतूल में सभी सेवा बस्तियों में निशुल्क मेडिकल जांच दवाइयां और सेवा बस्तियों की महिलाओं को स्वावलंबन बनाने के लिए प्रशिक्षण दिए जाएंगे, महिलाओं को निशुल्क सिलाई केंद्र प्रशिक्षण पापड़, बड़ी, अचार बनाने का प्रशिक्षण जैविक गुलाल बनाने का प्रशिक्षण किशोर भारती की बहनों को कंप्यूटर एवं टाइपिंग प्रशिक्षण नियमित सेवा भारती के रूप में संचालित किए जाएंगे।

ओबीसी महासभा ने एसपी का किया सम्मान

बैतूल : ओबीसी महासभा ने एसपी सिद्धार्थ चौधरी से मुलाकात कर उनका पुष्पगुच्छ से सम्मान किया है। मुलाकात के दौरान महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अंजू यादव ने एसपी को ओबीसी महासभा के कार्यों की जानकारी देते हुए विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। उल्लेखनीय है कि ओबीसी महासभा में भारतीय सेना से सेवानिवृत्त पूर्व सैनिक भी जुड़े हैं।

इस अवसर पर ओबीसी महासभा के जिला अध्यक्ष नरेश राजू मालवीय, महिला मोर्चा अध्यक्ष अंजू यादव, उपाध्यक्ष फूलचंद वर्मा, कोषाध्यक्ष कंचन पवार, पूर्व सैनिक महेश यादव आदि उपस्थित रहे।

शहरी कार्य मंत्रालय और राईट्स के बीच समझौता

नई दिल्ली : ठोस अपशिष्ट और प्रयुक्त जल प्रबंधन में तेज़ी लाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सचिव श्री मनोज जोशी और संयुक्त सचिव श्रीमती रूपा मिश्रा; अर्बन इंफ्रा के कार्यकारी निदेशक श्री आर.के. दयाल और राइट्स के सीएमडी श्री राहुल मित्तल की उपस्थिति में राइट्स के साथ एसबीएम-यू २.० के तहत एसडब्ल्यूएम और यूडब्ल्यूएम के लिए तकनीकी सहायता संबंधी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

राइट्स की तकनीकी सहायता इकाई (टीएसयू) तीन साल की अवधि के लिए एसबीएम-यू की सहायता करेगी। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में तकनीकी सहायता को सक्षम बनाना है। एसडब्ल्यूएम के तहत, मिलकर काम करने के क्षेत्र में अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं की प्रक्रिया के मानकीकरण और इंजीनियरिंग डिज़ाइन शामिल होंगे जैसे मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी, लिगेसी वेस्ट आदि। इस्तेमाल हो चुके जल के प्रबंधन के तहत राइट्स, सीवेज और कीचड़ प्रबंधन और पुनः उपयोग, इंजीनियरिंग डिज़ाइन और अपशिष्ट जल उपचार इकाइयों की प्रक्रिया के क्षेत्र में मानकों और विशिष्टताओं के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। अपशिष्ट जल प्रबंधन और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में मॉडल टेंडर डॉक्यूमेंट और खरीद की तैयारी में सहायता करेगा। मंत्रालय और राइट्स के बीच एमओयू राज्यों/यूएलबी को मिशन की पहल प्रभावी ढंग से लागू करने में सक्षम बनाएगा जिससे सभी तक सुरक्षित नियंत्रण संग्रह और परिवहन उपचार और अधिक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव के लिए पुनः उपयोग के माध्यम से सुरक्षित और टिकाऊ स्वच्छता पहुंच प्रदान की जा सके। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी २.० के अंतर्गत पूरी तरह कचरा मुक्त शहर बनाने के विज़न में स्थायी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर ज़ोर दिया गया है।

नागपुर-भुसावल दादाजी धाम इंटरसिटी ट्रेन शुरू करवाने की मांग

नागपुर : राष्ट्रीय आपदा को देखते हुए भारत सरकार द्वारा सभी ट्रेनों के परिवहन पर रोक लगा दी गई थी। जिसके बाद अधिकतर ट्रेनों का आवागमन शुरू किया गया, परंतु दो से ढाई वर्ष बीत जाने के उपरांत भी नागपुर, भुसावल व्हाया इटारसी दादा धाम एक्सप्रेस क्रमांक अप २२११२ एवं डाउन २२१११ आज तक शुरू नहीं होने से श्रद्धालु नाराज हैं। हजारों श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधा को देखते हुए कांग्रेस विधायक निलय विनोद डागा ने रेल मंत्री के नाम मंडल रेल प्रबंधक नागपुर को ज्ञापन प्रेषित कर दादा धाम एक्सप्रेस पुनः शुरू करने की मांग की। उन्होंने बताया कि दादाधाम एक्सप्रेस पुनः शुरू कराने को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं मुख्य रेल प्रबंधन मध्य रेलवे, नागपुर के नाम आवेदन प्रेषित कर पुनः दादाधाम एक्सप्रेस शुरू कराने की मांग की गई। श्री डागा ने बताया कि खंडवा जिले में श्री श्री १००८ दादाजी धूनीवाले का राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आश्रम दादा-दरबार स्थित है एवं खंडवा के समीप ही स्थित सिंगाजी महाराज का पवित्र स्थान और बुरहानपुर नगर में बोहरा समुदाय का प्रसिद्ध स्थल भी स्थित होने की वजह से मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के लाखों हिंदू एवं बोहरा समुदाय के अनुयायी अपने इस आस्था के धार्मिक केंद्र पर रोजमर्रा का आवागमन भारी संख्या में करते है, साथ ही प्रमुख हिंदू त्यौहारों पर तो खंडवा दरबार में लाखों की संख्या में हिंदू समुदाय के लोगों का मेला लगा रहता है।

दक्षिण भारत से उत्तर भारत की और जाने वाली सभी बड़ी एवं फास्ट ट्रेनें इटारसी होते हुए दिल्ली और उत्तर भारत की ओर अपना सफर तय करती हैं। खंडवा एवं बुरहानपुर इटारसी से मुंबई-भुसावल मार्ग पर स्थित होने की वजह से महाराष्ट्र एवं लोगों को इटारसी तक इन ट्रेनों में और इटारसी के बाद उत्तर भारत से मुंबई जाने वाली ट्रेनों में सफर करके खंडवा एव बुरहानपुर तक पहुंचना पड़ता है। खंडवा धाम जाने हेतु दो अलग-अलग ट्रेनों का सहारा लेकर खंडवा धाम पहुंचना पड़ता है। जिसके चलते धन और समय अधिक लगता है। लोगों को सफर की समझ नहीं हो पाती जिसके चलते अधिकतर भक्त अपनी आराध्य की आस्था के स्थलों तक पहुंचने में असफल हो जाते हैं। श्री डागा ने बताया कि उक्त ट्रेन से लाभान्वित होने वाली बहुतायत आबादी सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े तथा कमजोर तबके की हैं। मजदूर छोटे-बड़े व्यापारी बीमार व्यक्ति छात्र-छात्राएं इसी ट्रेन का उपयोग करते थे, उक्त सभी यात्री सस्ती तथा सुगमतापूर्वक यात्रा करते हुए अपनी जरूरते पूर्ण करते थे। उक्त ट्रेन का संचालन बंद होने से इन सभी यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनसामान्य की सुविधा को देखते हुए ट्रेन क्रमांक-२२१११-२२११२ नागपुर भुसावल इंटरसिटी दादा धाम एक्सप्रेस को पुनः यथावत् चालू कराने का अनुरोध किया है ताकि यात्रियों को फिर से सुविधा का लाभ प्राप्त हो सके।

हरदा में इज़राइली तकनीक से बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

भोपाल : किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने कहा है कि फल एवं सब्जी उत्पादन के लिये इज़राइल की अत्याधुनिक उन्नत तकनीक का उपयोग किया जायेगा। इज़राइल के सहयोग से हरदा जिले के बोड़गाँव में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन ने इसके लिये बोड़गाँव में ३५.३४१ हेक्टेयर भूमि आवंटित कर दी है।

कृषि मंत्री ,कमल पटेल ने कहा कि जिले में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिये इज़राइली दल द्वारा पूर्व में जिले का भ्रमण किया जा चुका है। इसकी स्थापना से कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में जिले के किसानों को उन्नत एवं आधुनिक तकनीक से खेती करने की जानकारी सहज उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इज़राइल के सहयोग से छिंदवाड़ा एवं मुरैना जिले में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किये गये हैं।

मंत्री कमल पटेल ने भारत और इज़राइल की मित्रता के ३० वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हरदा में बन रहे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिये इज़राइल दूतावास के कृषि विशेषज्ञ, नीति सलाहकार का आभार माना। उन्होंने इसकी स्थापना से लाभान्वित होने वाले सभी हितग्राहियों को बधाई दी। मंत्री कमल पटेल ने कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की अत्याधुनिक तकनीक की मदद से कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी जिले के अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेंगे।

स्वस्थ रहने के लिए अपनाएं ये टिप्स

स्वस्थ रहना हमारे लिए बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि स्वस्थ शरीर से सभी सुखों की सुगंध आती है। और स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए, उचित आहार और स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम यह सब नहीं कर पाते हैं।

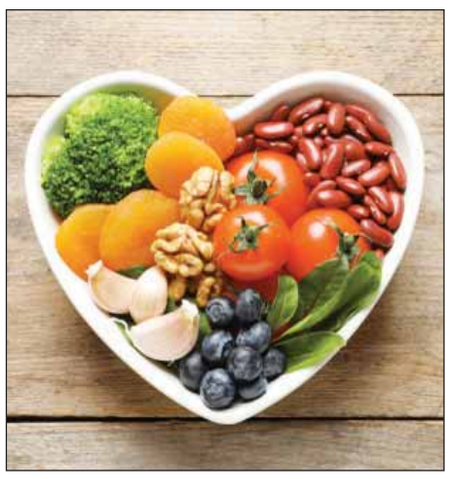

समय की कमी के कारण योग नहीं कर पाते व्यायाम नहीं कर पाते। अगर आप भी इतने ही व्यस्त हैं तो चिंता न करें। यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं जो आपको स्वस्थ रहने में मदद करेंगे।

- एक चम्मच शहद को पानी में मिलाकर दिन में दो बार पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।
- एक गिलास पानी में एक नींबू निचोड़कर सुबह-सुबह पीने से आंखों की रोशनी बढ़ती है।
- धूप से झुलसी त्वचा में चमक लाने के लिए नहाने से पहले नारियल पानी, कच्चा दूध, खीरे और नींबू का रस और चंदन पाउडर मिलाकर शरीर पर लगाएं।
- अपने नाखूनों की रोजाना जैतून के तेल से मालिश करें। ऐसा करने से आपके हाथ साफ और खूबसूरत नजर आएंगे।
- एक पके हुए केले को मैश करके अपने चेहरे पर लगाएं और आधे घंटे बाद ठंडे पानी से धो लें।
- फोड़ों या फोड़ों को दूर करने के लिए २ बादाम पाउडर, २ चम्मच दूध और १ चम्मच संतरे के छिलके का पेस्ट मिलाकर लगाएं।
- होठों को गुलाबी रखने के लिए रोजाना होठों पर बीटा जूस लगाएं और आधे घंटे बाद ठंडे पानी से होठों को धो लें.
- रूखे बालों के लिए माइल्ड और एक्स्ट्रा प्रोटीन वाले शैंपू का इस्तेमाल करें.
- बालों का गिरना बंद करने और बालों को घना बनाने के लिए नीम के तेल का प्रयोग करें।
- नहाते समय अच्छे एंटीबैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें।
- गीले बालों में कभी कंघी न करें और बालों को सुलझाने के लिए चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें।
- बाहर जाने से पहले हमेशा सनस्क्रीन क्रीम लगाएं। नीम के पैक को गुलाब जल में मिलाकर चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद धो लें।

रोजाना कुछ देर फर्श पर बैठने की आदत डालें

जमीन पर बैठने से कई फायदे होते हैं। एक समय था जब लोग ज्यादातर काम जमीन पर बैठकर किया करते थे। इसमें लोग जमीन पर बैठकर खाना खाना पसंद करते थे। आयुर्वेद में इस आदत को सेहत के लिए काफी फायदेमंद बताया गया है।

क्या आप जानते हैं कि आप चाहे कितने भी थके हों, फर्श पर बैठने से आपको तुरंत आराम मिलता है? भारत के कई हिस्सों में आज भी लोग छोटे से लेकर बड़े घरों में जमीन पर बैठकर खाना खाते हैं। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि रोजाना कुछ मिनट फर्श पर बैठने की आदत से शरीर को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

वारा यानमंद्रा एक आयुर्वेद विशेषज्ञ हैं, जो अक्सर कई प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल युक्तियाँ साझा करते हैं। विशेषज्ञों ने अपनी एक पोस्ट में फर्श पर बैठने के फायदों के बारे में भी बताया। विशेषज्ञों का कहना है कि इसका सबसे बड़ा फायदा हमारी रीढ़ की हड्डी को होता है। लोगों को लगता है कि उनकी रीढ़ की हड्डी सीधी है, लेकिन असल में यह 'ड' शेप की होती है। अक्सर गलत पॉश्चर में बैठने से दर्द होता है। कुछ मिनटों के लिए फर्श पर सीधे बैठने से दर्द से राहत मिल सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह तरीका आपके कोर को एंगेज करता है। यह संतुलन में सुधार करता है और स्थिरता भी लाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि रोजाना कुछ मिनट जमीन पर बैठने से शरीर मजबूत होता है।

जमीन पर बैठने की आदत लोग भूलते जा रहे हैं लेकिन हम आपको बता दें कि इससे आपका शरीर मजबूत होता है। इससे हिप फ्लेक्सर्स को फायदा होता है। ये वास्तव में मांसपेशियां हैं जो कूल्हों, जांघों और पीठ के निचले हिस्से को जोड़ती हैं। जमीन पर बैठने से ये मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

फर्श पर बैठने के फायदों में से एक यह है कि इससे आपके पोस्चर में सुधार होता है। इस आदत का फायदा यह है कि यह आपको बैठने की आदत को तोड़ने में मदद करती है।

जमीन पर बैठते समय इन बातों का ध्यान रखें

- फर्श पर बैठते समय हमेशा क्रॉस लेग्स यानी सुखासन लगाकर बैठें। और इस दौरान बिल्कुल भी न झुकें।
- रीढ़ की हड्डी में दर्द हो तो नितंबों के नीचे तकिया लगाकर बैठ जाएं।
- यदि आप फर्श पर उकड़ू बैठने के आदी हैं, तो अपने पैरों को बीच-बीच में फैला लें।

चेहरे पर चमत्कार करता है विटामिन ई कैप्सूल!

पपीता और ई कैप्सूल फेस मास्क : पपीते के फेस मास्क के साथ विटामिन ई का भी इस्तेमाल किया जा सकता है, दोनों का कॉम्बिनेशन त्वचा के लिए काफी असरदार होता है।

इनके इस्तेमाल से दाग-धब्बे दूर होते हैं और डेड स्किन सेल्स हट जाते हैं, जिससे आपका चेहरा दमकने लगता है।

अंडा और ई कैप्सूल फेस मास्क : आप अंडे के साथ विटामिन ई कैप्सूल मिलाकर मास्क तैयार कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए दो विटामिन ई कैप्सूल, एक चम्मच दही और एक चम्मच अंडा (जर्दी का भाग) लेकर अच्छी तरह मिलाएं और चेहरे पर लगाएं। इसे चेहरे पर लगाने के बाद कुछ देर के लिए छोड़ दें, फिर चेहरे को अच्छे से धो लें।

विटामिन ई कैप्सूल : कई लोग सीधे विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन स्किन केयर एक्सपर्ट्स का कहना है कि विटामिन ई कैप्सूल को एलोवेरा जेल के साथ इस्तेमाल करने पर ज्यादा असरदार साबित होता है। मुसब्बर जेल और विटामिन ई कैप्सूल एक साथ मिलाकर दोषों को दूर करने के लिए चेहरे धोने या मुखौटा के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे आपके चेहरे की चमक वापस आ जाएगी।

इस तरह से गैस पर रोटी पकाना सेहत के लिए बेहद खतरनाक

क्या चपाती को तवे पर सेंकना बेहतर है या सीधे गैस पर? अगर कोई इस तरह का सवाल पूछता है तो हम स्वाद के अनुसार इस सवाल का जवाब देंगे। कुछ लोग छत्ते को कड़ाही की जगह सीधे गैस की आंच पर बनाते हैं। दरअसल, गैस पर भूनने के बाद फली खाने में कुरकुरी लगती हैं, जबकि गरमागरम फलियां ज्यादा खाई जाती हैं। इसलिए ज्यादातर लोग इसी तरह से रोटी बनाना पसंद करते हैं। लेकिन वह यह नहीं सोचता कि स्वाद के पीछे सेहत नहीं खेल रही है। क्योंकि शहद को इस तरह भूनने से शरीर को नुकसान पहुंचता है।

पोली को सीधे गैस पर भूनने के नुकसान

पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी पत्रिका में प्रकाशित हालिया शोध के अनुसार, इस तरह से मधुमक्खियों के छत्ते को जलाने से वायु प्रदूषक निकलते हैं, जिन्हें डब्ल्यूएचओ द्वारा हानिकारक माना जाता है। उस प्रदूषित हवा के नाम कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड हैं।

ये सभी प्रदूषक सांस और हृदय संबंधी बीमारियों के साथ-साथ कई तरह के कैंसर के लिए जिम्मेदार हैं। इतना ही नहीं, जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन एंड कैंसर में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि तेज गर्मी में खाना पकाने से कार्सिनोजन पैदा होते हैं।

फूड स्टैंडर्ड ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के वैज्ञानिक डॉ. पॉल ब्रेंट (२०११) द्वारा प्रकाशित शोध में कहा गया है कि सीधे ज्वाला भूनने से कार्सिनोजेनिक रसायन निकलते हैं जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि सीधे आंच पर पकाया गया छत्ता स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। इस पर और शोध की आवश्यकता है।

कुछ शोध हैं जो बताते हैं कि उच्च ताप पर खाना पकाने के तरीके हेट्रोसायक्लिक एमाइन (एचसीए) और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) उत्पन्न करते हैं, जो कार्सिनोजेन्स के रूप में जाने जाते हैं। लेकिन अब तक की रिसर्च को देखते हुए सतर्क रहने में ही समझदारी है क्योंकि रोटी को भूनने का यह तरीका आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है, क्योंकि चपातियां तवे पर तलने के लिए ज्यादा उपयुक्त होती हैं।

हीटस्ट्रोक क्या है?

गर्मी बढ़ने के कारण शरीर में पानी की कमी से चक्कर आना, उल्टी आना, त्वचा का लाल होना, आंखों का काला पड़ना और हीट स्ट्रोक के अन्य लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

इसलिए जरूरी काम से ही बाहर जाएं, नहीं तो घर में ही रहें, विशेषज्ञों की सलाह है।

पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। ऐसे में घर से निकलना मुश्किल हो गया है। इससे नागरिक डिहाइड्रेशन, बुखार, चक्कर आना, जी मिचलाने की समस्या से जूझ रहे हैं। इसलिए नागरिकों को सावधान रहने की जरूरत है।

गर्मी बढ़ने से शरीर का तापमान बढ़ जाता है और शरीर में पानी की कमी महसूस होने लगती है। इसके परिणामस्वरूप प्यास, उल्टी, त्वचा का लाल होना आदि लक्षण महसूस होते हैं। हीट स्ट्रोक अक्सर होता है। इस वजह से बहुत जरूरी होने पर ही बाहर निकलें। बाहर जाते समय पानी की बोतल, सिर पर दुपट्टा या छाता जरूर रखें। साथ ही हो सके तो सुबह या शाम को काम करना चाहिए।

मानव शरीर का तापमान ३७ डिग्री होता है। यदि हवा का तापमान ३५ डिग्री या उससे अधिक है और सापेक्ष आर्द्रता ५० प्रतिशत से अधिक है, तो शरीर से पसीने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नतीजतन, शरीर का तापमान बढ़ जाता है और हीट स्ट्रोक का कारण बनता है। सामान्य तौर पर, हीटस्ट्रोक न केवल ऊंचे तापमान के कारण होता है, बल्कि आर्द्रता के कारण भी होता है।

समाधान : प्राथमिक उपचार यह है कि शरीर से अतिरिक्त गर्मी को जल्द से जल्द दूर किया जाए और रक्त संचार सुचारू रखा जाए। उसके लिए संबंधित व्यक्ति को ठंडे स्थान पर ले जाना चाहिए। गीले कपड़े से शरीर को पोंछ लें। अगर बफ उपलब्ध हो तो आइस शेक दें। ठंडक शरीर के तापमान को कम करने में मदद करती है।

लक्षण : लक्षणों में चक्कर आना, मतली, उल्टी, सिरदर्द, बार-बार पसीना आना, थकान और मांसपेशियों में ऐंठन शामिल हैं। पसीना नहीं निकलता इसलिए त्वचा गर्म और रूखी हो जाती है। पसीना आना बंद हो जाता है, नाड़ी और श्वास की गति तेज हो जाती है। रक्तचाप शुरू में बढ़ता है और फिर गिर जाता है, शरीर में अकड़न, हाथ और पैर में सुन्नता, मतिभ्रम और बेहोशी।

अखरोट खाने के फायदे

अखरोट खाना आपकी सेहत के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। कई अध्ययनों के विश्लेषण में पाया गया कि अखरोट एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है, जो इस समय तेजी से बढ़ रहा है।

अखरोट मधुमेह रोगियों के लिए भी फायदेमंद पाया गया है। इसका नियमित सेवन तंत्रिका तंत्र के विकारों को दूर करने और मस्तिष्क की क्षमता को बढ़ाने में काफी फायदेमंद हो सकता है।

अखरोट शरीर में सूजन के जोखिम को कम करने के लिए भी पाया गया है। सूजन से हृदय रोग, टाइप-२ मधुमेह, अल्जाइमर रोग और यहां तक कि कैंसर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, अखरोट में मौजूद पॉलीफेनोल्स ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचाने में मदद करते हैं। सूजन प्रतिरोधक क्षमता को कम करने वाला भी पाया गया है।

अखरोट सिफ दिल की बीमारी के लिए ही नहीं बल्कि टाइप-२ डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद होता है। यह वजन को नियंत्रित करने में मदद करता है और ब्लड शुगर को बढ़ने से रोकता है।

टाइप -२ मधुमेह वाले १०० लोगों के एक अध्ययन में पाया गया कि ३ महीने तक रोजाना १ चम्मच अखरोट के तेल का सेवन करने से फास्टिंग ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद मिली। हालांकि इसके साथ दवाएं लेना जरूरी है। अगर आप रोजाना अखरोट खाते हैं तो यह आपके ब्लड प्रेशर को कम करने में भी मददगार होता है। शोध के अनुसार अखरोट खाने से उच्च रक्तचाप वाले लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। हृदय रोग के उच्च जोखिम वाले लगभग ७,५०० लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि प्रतिदिन २८ ग्राम अखरोट खाने से रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। यह हृदय रोग के जोखिम को भी कम करता है।

पूजा के अलावा और भी काम आता है कपूर

कपूर का प्रयोग ज्यादातर पूजा में किया जाता है। वास्तु और ज्योतिष में भी इसके महत्व और उपयोग के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। लेकिन हम आपको बताते हैं कि कपूर का इस्तेमाल सिर्फ पूजा में ही नहीं बल्कि सेहत के लिए भी किया जाता है।

यदि आप घर में घुटन महसूस करते हैं, तो थोड़ा-सा कपूर ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने के लिए इसे पूरे घर में प्रसारित करें।

अगर आपके बालों में डैंड्रफ की समस्या है तो कपूर को नारियल के तेल में मिलाकर जड़ों में हफ्ते में दो बार लगाएं, जल्द ही आपकी डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी।

सर्दी-खांसी के लक्षण होने पर कपूर के जलवाष्प का सेवन करने से आराम मिलता है।

घर में खुला कपूर उसकी सुगंध रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर का वातावरण भी शुद्ध होता है।

अगर आपके पैरों में लगातार सूजन या दर्द रहता है तो आप कपूर के इस्तेमाल से राहत पा सकते हैं। इसके लिए आपको कपूर और नमक के गर्म पानी से पैरों को सेंकना होगा।

नारियल के तेल में इन्हें मिलाकर लगाएं सफेद बाल हो जाएंगे काले

कम उम्र में बालों का सफेद होना आज के समय में एक बड़ी समस्या बन गया है। कहा जाता है कि कम उम्र में ही लोगों के बाल सफेद होने लगते हैं इसलिए सफेद बालों की समस्या से परेशान लोग तरह-तरह के उपाय आजमाते हैं। कम उम्र में बालों का सफेद होना एक समस्या है। स्कूल-कॉलेज के दौरान ग्रे हो जाना बेहद शर्मनाक होता है। बालों को काला करने के कई घरेलू नुस्खे हैं जो बालों को नुकसान भी नहीं पहुंचाते और फायदेमंद भी होते हैं।

नारियल का तेल और मेंहदी के पत्ते

यदि आपके बाल कम उम्र में सफेद हो रहे हैं, तो आप सफेद बालों को रोकने के लिए नारियल तेल और मेहंदी का उपयोग कर सकते हैं। मेंहदी का रंग बालों की जड़ों तक पहुंचता है। इससे बाल पहले से अलग नजर आएंगे। नारियल का तेल मेंहदी को जड़ों तक पहुंचाने में मदद करता है। मेंहदी की पत्तियों के साथ ३-४ चम्मच नारियल का तेल उबालें और इसमें मेंहदी की पत्तियां मिलाएं। तेल का रंग बदलने तक उबालें। इसके बाद तेल को ठंडा करके बालों की जड़ों में लगाएं। इसे कम से कम ४० मिनट तक लगा रहने दें और धो लें। इस प्रक्रिया से बाल नियमित रूप से काले होने लगते हैं।

नारियल का तेल और अमला

आंवले के साथ नारियल का तेल लगाने से बाल काले होने में मदद मिलती है। बालों को काला करने के लिए ३ चम्मच नारियल में २ चम्मच आंवला पाउडर मिलाएं। इसे एक पैन में तब तक गर्म करें जब तक यह पिघल न जाए। तेल को ठंडा करके बालों की जड़ों में मालिश करें। इसे रातभर बालों में लगा रहने दें और सुबह बालों को धो लें। आंवला में विटामिन सी होता है जो कोलेजन को बढ़ाने की क्षमता रखता है। यह बालों की ग्रोथ के लिए जरूरी है। यह आपके बालों को काला करने में मदद करेगा।

क्या सच में प्याज का रस लगाने से नए बाल आते हैं?

बालों के झड़ने और गंजेपन की समस्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि खराब जीवनशैली और खानपान में पोषण की कमी के कारण लोगों में इस तरह की समस्याएं आम होती जा रही हैं।

बालों के झड़ने को रोकने और बालों के विकास को बढ़ावा देने के लिए कई कॉस्मेटिक उत्पादों का विपणन किया जाता है।

बालों को स्वस्थ रखने के लिए प्याज का रस कैसे लगाएं, इस बात की काफी चर्चा है। ऐसा कहा जाता है कि प्याज के रस से रोजाना प्रभावित जगह पर मालिश करने से न केवल बालों का झड़ना बंद होता है बल्कि नए बालों के विकास को भी बढ़ावा मिलता है।

त्वचा विज्ञान के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं दोनों में बालों का झड़ना एक सामान्य स्थिति है। बालों के झड़ने या बालों के झड़ने का सबसे आम कारण एक आनुवंशिक स्थिति है जिसे एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया कहा जाता है। इसके अलावा कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट या हार्मोनल प्रॉब्लम की वजह से भी बाल झड़ने की समस्या

हो सकती है।

प्याज का रस बालों की कई समस्याओं जैसे खुजली या रूखी खोपड़ी, बालों का झड़ना, रूसी, बालों का समय से पहले सफेद होना और नए बाल उगना आदि में मदद कर सकता है।

हालांकि, बालों के विकास के लिए प्याज के रस का उपयोग करने पर व्यापक शोध नहीं हुआ है। हालांकि, जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित एक छोटे से अध्ययन में पाया गया कि स्कैल्प पर प्याज का रस लगाने से कुछ लोगों में बालों को फिर से उगाने में मदद मिल सकती है। अध्ययन में ऐसे प्रतिभागी शामिल थे जिन्हें एलोपेसिया एरीटा था, जिसमें पैच में बाल झड़ते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि दिन में दो बार प्याज के रस का सेवन करने के २ हफ्ते बाद बालों की ग्रोथ शुरू हो जाती है। लगभग ७४ प्रतिशत प्रतिभागियों ने ४ सप्ताह के बाद बालों के फिर से उगने का अनुभव किया, और लगभग ८७ प्रतिशत ने ६ सप्ताह के बाद बालों के दोबारा उगने का अनुभव किया।

शोधकर्ताओं का कहना है कि बालों में प्याज का रस लगाने से बालों को पोषक तत्व मिलते हैं और उनकी जड़ों में मजबूती आती है। यह बालों का टूटना और पतला होना भी कम कर सकता है। माना जाता है कि प्याज में मौजूद सल्फर बालों के विकास में मदद करता है। सल्फर एंजाइम और प्रोटीन के पर्याप्त उत्पादन के लिए आवश्यक है। प्याज के रस में मौजूद सल्फर बालों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान कर सकता है।

बालों के विकास और कंडीशनिंग के लिए प्याज के रस का उपयोग करने से कुछ लोगों को फायदा हो सकता है; लेकिन यह सबके लिए फायदेमंद नहीं हो सकता है। इसके अलावा प्याज के रस का इस्तेमाल करने से बालों की ग्रोथ को बढ़ावा नहीं मिलता है। सकारात्मक प्रभाव होने में कुछ सप्ताह लग सकते हैं, जरूरी नहीं कि परिणाम हों। बालों के झड़ने का कारण और उस पर आधारित उपचार जानने के लिए किसी त्वचा विशेषज्ञ की मदद लें।

विशेष नोट : **यहां दी गई जानकारी सामान्य जानकारी पर आधारित है। कृपया इसे लागू करने से पहले विशेषज्ञ से परामर्श लें।**

सबसे तेज अर्धशतक लगाने के बाद शतक नहीं

यशस्वी जायसवाल ने मैच के बाद कही यह बात

कोलकाता : राजस्थान रॉयल्स के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ४७ गेंदों में नाबाद ९८ रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत राजस्थान की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। अब उसने प्लेऑफ में पहुंचने का दावा मजबूत कर लिया है। यशस्वी से मैच के बाद पूछा गया कि क्या उन्हें शतक नहीं पूरा कर पाने का दुख है? इस पर इस युवा ओपनर ने कहा कि उनका ध्यान शतक पूरा करने पर कभी था ही नहीं। इस बयान ने फैंस का दिल जीत लिया है।

मैच के बाद यशस्वी ने कहा- यह हमेशा मेरे दिमाग में रहता है कि मैं मैदान पर जाऊं और अच्छा खेलूं। इस मैच में बैटिंग कर बहुत अच्छा अहसास हुआ। ऐसा नहीं है कि जो कुछ मैं चाहता था वह हो जाता है, मैं अच्छी तैयारी करता हूं और मुझे खुद पर भरोसा है। मुझे पता है नतीजे आएंगे। जीत का शॉट शानदार अहसास था। मैं खेल को खत्म करना चाहता था और मैच जीतना मेरा मकसद रहा है। मैं धन्य और आभारी हूं, मैं अपनी पूरी कोशिश कर रहा हूं।

यह पूछे जाने पर कि उन्हें कैसा लगा कि वह शतक से चूक गए? इसके जवाब में यशस्वी ने कहा- मुझे लगता है कि टीम का नेट रन रेट ही मेरे दिमाग में था। मैं और संजू भाई (संजू सैमसन) केवल खेल को जल्दी खत्म करने की बात कर रहे थे। राजस्थान को दूसरे ही ओवर में झटका लगा था, जब जोस बटलर रन आउट हो गए थे। इसकी वजह से यशस्वी पर और जिम्मेदारी आ गई थी।

यशस्वी ने कहा- मुझे लगता है कि ऐसा मैच में होता है। यह मुझे और भी बेहतर करने की जिम्मेदारी देता है। संजू भाई आए और मुझसे कहा कि तुम अपना खेल खेलते रहो और उस रन आउट के बारे में मत सोचो। राजस्थान की टीम १२ मैचों में छह जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर है।

मैच में क्या हुआ?

मैच की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता ने २० ओवर में आठ विकेट गंवाकर १४९ रन बनाए थे। जेसन रॉय ने १० रन, रहमनुल्लाह गुरबाज ने १८ रन, कप्तान नीतीश राणा ने २२ रन, आंद्रे रसेल ने १० रन, रिंकू सिंह ने १६ रन, शार्दुल ठाकुर ने एक रन और सुनील नरेन ने छह रन की पारी खेली। वेंकटेश अय्यर ने ४२ गेंदों में ५७ रन की पारी खेल कोलकाता को १४९ के स्कोर तक पहुंचाया। अपनी पारी में उन्होंने दो चौके और चार छक्के लगाए। चहल ने चार विकेट झटके। एक विकेट लेते ही चहल ने ड्वेन ब्रावो के इस लीग में सबसे ज्यादा विकेट लेने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। ब्रावो ने १८३ विकेट लिए थे, जबकि चहल के १८७ विकेट हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट को दो विकेट मिला। संदीप शर्मा और केएम आसिफ को एक-एक विकेट मिला।

महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण शरण दिल्ली पुलिस के सामने पेश

आरोपों को नकारा

नई दिल्ली : महिला पहलवानों से यौन शोषण के आरोपी भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह दिल्ली पुलिस के सामने पेश हुए. दिल्ली पुलिस ने बृज भूषण का बयान दर्ज किया है. इसके साथ ही उनसे कुछ दस्तावेज भी मांगे हैं. दोबारा जरूरत होने पर फिर से बयान दर्ज होंगे. सूत्रों के मुताबिक बृजभूषण शरण सिंह ने पुलिस के सामने दिए बयान में अपने ऊपर लगे आरोपों को नकारा है.

बृजभूषण शरण सिंह ने दिल्ली पुलिस की एसआईटी के सामने अपना बयान दर्ज कराया है. दिल्ली पुलिस ने महिला पहलवान के आरोपों की जांच के लिए महिला डीसीपी की निगरानी में १० सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है. सूत्रों के मुताबिक बृजभूषण का दो बार बयान दर्ज हुआ है. बृज भूषण शरण के अपनी सफाई में कुछ वीडियो सबूत और मोबाइल डाटा जमा करने की बात कही गई है. बहुत जल्द एसआईटी दोबारा बृजभूषण से पूछताछ कर सकती है.

कई राज्यों से जुटाए गए सबूत

दिल्ली पुलिस की टीम पहलवानों की शिकायत पर उत्तर प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, हरियाणा में सबूत जुटाने के लिए गई थी. देश के बाहर विदेशों में जो आरोप लगे हैं, दिल्ली पुलिस वहां भी संबंधित एजेंसीज के संपर्क में है.

बृजभूषण शरण सिंह के अलावा भारतीय कुश्ती महासंघ के असिस्टेंट सेक्रेटरी विनोद तोमर के भी बयान दर्ज किए गए. महिला की शिकायत पर दर्ज दिल्ली पुलिस की एफआईआर में विनोद तोमर भी आरोपी हैं.

बृजभूषण पर क्या हैं आरोप ?

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ ७ महिला पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया है. इन पहलवानों की शिकायत पर दिल्ली के कनॉट प्लेस थाने में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मुकदमा लिखा गया है. पीड़ितों में एक नाबालिग भी है, जिसके मामले में सिंह के खिलाफ यौन अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत केस दर्ज हुआ है. बृजभूषण शरण के खिलाफ पुलिस एफआईआर दर्ज करवाने के लिए पहलवानों को सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा था.

वहीं, बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना जारी है. विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक समेत देश के नामी पहलवान बीती २३ अप्रैल से धरने पर बैठे हुए हैं. पहलवानों का कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलता वे नहीं उठेंगे.

बृजभूषण सिंह के खिलाफ पहलवानों के विरोध प्रदर्शन से समाजवादी पार्टी ने क्यों बनाई दूरी?

नई दिल्ली : सपा उत्तर प्रदेश में प्रमुख विपक्षी दल है, जहां से बृजभूषण कैसरगंज के बीजेपी सांसद हैं. सपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल पहलवानों का समर्थन करने वाली पार्टियों में से एक है. वहीं, इस मुद्दे पर सपा की हिचकिचाहट ने यूपी के राजनीतिक गलियारों में कई सवालों को पैदा करने का काम किया है क्योंकि इस तरह का विवाद पार्टी के लिए राज्य में सत्तारूढ़ बीजेपी के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खोलने का अवसर है. सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनकी सांसद पत्नी डिंपल यादव दोनों ने बृजभूषण पर टिप्पणी नहीं करने का विकल्प चुनते हुए कहा है कि मामले में 'न्याय किया जाना चाहिए'.

बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर तमाम पहलवानों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रखा है. खिलाड़ियों को इस विरोध प्रदर्शन में कई राजनीतिक दलों का समर्थन भी मिला है, लेकिन समाजवादी पाटी ने अब तक इस मुद्दे से दूरी बना रखी है.

यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली नाबालिग लड़की ने मजिस्ट्रेट के सामने दिया बयान

बृजभूषण की बढ़ी मुश्किलें

नई दिल्ली : भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक नाबालिग लड़की का बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किया गया है. पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी. दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले में दिल्ली पुलिस से १२ मई तक स्थिति रिपोर्ट मांगी थी. अदालत ने प्रदर्शन कर रहे पहलवानों की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया. याचिका में अनुरोध किया गया है कि जांच की निगरानी की जाए और कथित पीड़ितों के बयान अदालत के समक्ष दर्ज कराए जाएं.

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'नाबालिग महिला पहलवान का बयान दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा १६४ के तहत मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किया गया है. शेष छह महिला पहलवानों के बयान भी जल्दी ही मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किए जाएंगे.' दंड प्रक्रिया संहिता की धारा १६४ किसी मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज किए जाने से संबंधित है.

पुलिस ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा १६१ के तहत नाबालिग शिकायतकर्ता सहित सभी सात महिला पहलवानों के बयान दर्ज किए हैं. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा १६१ पुलिस द्वारा गवाहों की जांच से जुड़ी है. दिल्ली पुलिस ने पिछले महीने सिंह के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की थी. बृजभूषण सिंह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर देश के कई पहलवान २३ अप्रैल से यहां जंतर मंतर पर धरना दे रहे हैं.

आईओए जल्द करेगी कुश्ती संघ चुनाव की घोषणा

पीटी उषा और कल्याण चौबे पर जिम्मेदारी

नई दिल्ली : भारतीय कुश्ती संघ का कार्यभार देखने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की तदर्थ समिति को गठित हुए दो सप्ताह हो चुके हैं, लेकिन कुश्ती संघ के चुनाव की दिशा में अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। समिति के तीन सदस्यों में से अब तक सेवानिवृत जज की नियुक्ति भी नहीं हुई है, लेकिन आईओए के सूत्रों का कहना है कि अगले सात से १० दिनों के अंदर कुश्ती संघ के चुनाव घोषित कर दिए जाएंगे। इसके बाद ही सेवानिवृत जज की नियुक्ति की जाएगी, जो चुनाव कराने का जिम्मा संभालेंगे। चुनाव घोषणा की जिम्मेदारी आईओए अध्यक्ष पीटी उषा और संयुक्त सचिव कल्याण चौबे संभालेंगे।

खेल मंत्रालय ने आईओए को ४५ दिन के अंदर चुनाव कराने की जिम्मेदारी सौंपी है, लेकिन इस वक्त तदर्थ समिति कुश्ती की गतिविधियां शुरू कराने में व्यस्त है। समिति में आईओए कार्यकारिणी के सदस्य भूपेंदर सिंह बाजवा और ओलंपियन शूटर सुमा शिरूर शामिल हैं। तीसरे सदस्य के रूप में सेवानिवृत जज की नियुक्ति होनी है।

१७०४ पहलवान ट्रायल में खेलेंगे, इनमें ३९४ बेटियां

तदर्थ समिति की ओर से अंडर-१७ और अंडर-२३ एशियाई चैंपियनशिप के ट्रायल बुधवार से शुरू हो रहे हैं। १९ मई तक एनआईएस पटियाला और साई सेंटर सोनीपत में होने वाले ट्रायल के लिए रिकॉर्ड १७०४ पहलवानों की एंट्री आई है। सर्वाधिक ८८३ पहलवान पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग में शिरकत करेंगे। इनमें ४९० अंडर-१७ और ३९३ पहलवान अंडर-२३ वर्ग में खेलेंगे। महिला वर्ग में ३९४ पहलवानों की एंट्री आई है, इनमें २४५ अंडर-१७ और १४९ पहलवान अंडर-२३ की शामिल हैं। ४२७ पहलवानों ने ग्रीको रोमन के लिए एंट्री दी है, जिसमें २०७ ने अंडर-१७ और २२० ने अंडर-२३ के लिए एंट्री दी है।

यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने बढाई एंट्री की तिथि

इस चैंपियनशिप केलिए एंट्री भेजने की अंतिम तिथि १५ मई थी, लेकिन तदर्थ समिति ने एशियाई कुश्ती और यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग से गुहार लगाई कि एंट्री की तिथि को आगे बढा दिया जाए। इसके बाद उसे एंट्री के लिए २२ मई की तिथि दे दी गई। यही कारण है कि ट्रायल १७ से १९ मई तक रखे गए।

शॉटपुट में तेजिंदरपाल सिंह तूर और भालाफेंक में रानी ने जीते खिताब

रांची : एशियाई खेलों के मौजूदा चैम्पियन शॉटपुट खिलाडी तेजिंदरपाल सिंह तूर और राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता भालाफेंक खिलाडी अन्नु रानी ने फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के दूसरे दिन अपने अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

तीस वर्ष की अन्नु हालांकि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी और ५९.२४ मीटर का निशाना लगाया लेकिन वह आगामी एशियाई चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने के लिए काफी था। उत्तर प्रदेश की अन्नु का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन ६३. ८२ मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। जुलाई १२ से १६ तक होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप में क्वालीफाइंग स्तर ५४.७३ मीटर है जबकि हांगझोउ खेलों के लिए यह ५६.४६ मीटर है।

एशियाई रिकॉर्डधारी तूर ने २०.४२ मीटर के साथ स्वर्ण जीता। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन २१.४९ मीटर है। पंजाब के तूर ने १९ मीटर का एशियाई खेल क्वालीफाइंग मार्क पार किया। दिल्ली के साहिब सिंह और पंजाब के करणवीर सिंह ने भी १९ मीटर की बाधा पार की। ओडिशा की सबानी नंदा ने महिलाओं की १०० मीटर दौड़ ११.५७ सेकंड में जीती हालांकि एशियाई चैम्पियनशिप का क्वालीफाइंग आंकड़ा ११.४४ सेकंड पार नहीं कर सकी। पुरुष वर्ग में ओडिशा के अमिय कुमार मलिक विजयी रहे जिन्होंने १०.३१ सेकंड का समय निकाला। एशियाई चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिये क्वालीफाइंग आंकड़ा १०.१९ सेकंड है।

महिलाओं की ४०० मीटर में महाराष्ट्र की ऐश्वर्य मिश्रा ५२.५७ सेकंड का समय निकालकर विजयी रही लेकिन बाद में लेन तोड़ने के कारण उन्हें अयोग्य करार दिया गया। दूसरे स्थान पर रही कर्नाटक की प्रिया मोहन को विजयी घोषित किया गया जबकि पुरूष वर्ग में तमिलनाडु के रमेश ने खिताब जीता।

दोनों ने एशियाई चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई कर लिया। प्रिया ने तकनीकी पेनल के समक्ष विरोध दर्ज कराया था और फैसला उनके पक्ष में आया।

पहली बार फाइनल के सभी टिकट बिके, ३४००० दर्शक देखेंग खिताबी मुकाबला

नीदरलैंड्स : फुटबाल महिला चैंपियंस लीग का फाइनल मैच बार्सिलोना और वोल्फसबर्ग के बीच खेला जाएगा। इस मैच को लेकर प्रशंसकों की उत्सुकता इसी से देखने को मिलती है कि टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार फाइनल के सभी करीब ३४,००० टिकट बिक चुके हैं। चैंपियंस लीग पुरुष का मुकाबला खचाखच भरे स्टेडियम में होता आया है, लेकिन पहली बार महिलाओं का फाइनल मुकाबला भी अधिक प्रशंसकों की मौजूदगी में होगा। पिछले साल इस लीग के फाइनल में बार्सिलोना को न्योन से १-३ से हार का सामना करना पड़ा था। बासिलोना की टीम तीन जून को पीएसवी आइंटवोहन स्टेडियम में होने वाले इस फाइनल के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी।

बार्सिलोना २०२१ सत्र की विजेता है जबकि वोल्फसबर्ग ने २०१३ और २०१४ में लगातार खिताब जीते हैं। टिकटों की कीमत करीब १३१५ से २,२२० (डालर १६ डालर २७) रुपये के बीच है। इससे पहले २०१९ में पीएसवी आइंटवोहन स्टेडियम में हुए नीदरलैंड्स और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के मुकाबले में करीब ३०,६४० प्रशंसक आए थे।

यूएफा ने कहा कि प्रशंसक इस फाइनल को लेकर उत्साहित हैं। फाइनल मुकाबले के सभी टिकट बिक गए हैं और हमें इस मुकाबले का इंतजार है। नीदरलैंड्स में महिला मुकाबले के लिए सबसे ज्यादा प्रशंसक होंगे। महिला फुटबाल की यूएफा की प्रबंध निदेशक नादिन केसलर ने कहा कि सभी टिकटों के बिकने से यह पता चलता है कि हम नए स्तर पर पहुंच गए हैं। बार्सिलोना ने चेल्सी को जबकि वोल्फसबर्ग ने आर्सेनल को सेमीफाइनल में हराकर खिताबी मुकाबले के लिए जगह बनाई थी।

सविता की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी महिला हॉकी टीम

एडीलेट : महिला हॉकी टीम की कप्तान और गोलकीपर सविता की अगुवाई में भारतीय टीम बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया से उसके ही देश में भिड़ेगी। भारतीय टीम एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए पांच मैचों की सीरीज खेलने चार दिन पहले ही एडीलेड पहुंच चुकी है।

इस वर्ष २३ सितंबर से होने वाले हांगझोऊ एशियाई खेल भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण हैं। यहां स्वर्ण जीतने पर पेरिस ओलंपिक का टिकट मिलेगा। भारतीय टीम की विश्व रैंकिंग आठ है और ऑस्ट्रेलिया इस समय विश्व नंबर तीन है। १८, २० और २१ मई को भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की मुख्य टीम से खेलेगी, जबकि २५ व २७ मई को उसका सामना ऑस्ट्रेलिया ए से होगा। भारत ने टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को १-० से हराया था। सविता का कहना है कि टीम यहां रोजाना दिन और दूधिया रोशनी में अभ्यास कर रही है, जिससे टर्फ और यहां के माहौल से अभ्यस्त होने का मौका मिलेगा।

देश लौटे पदकवीर, पिता को इनामी राशि देंगे हुसामुद्दीन

नई दिल्ली : विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक जीतने पर अब तक नाम ज्यादा और दाम कम मिलते थे, लेकिन ताशकंद (उजबेकिस्तान) में हुई विश्व मुक्केबाजी में भारतीय मुक्केबाजों को नाम के साथ मोटे दाम भी मिले। यह पहली बार है जब विश्व चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों ने तीन कांस्य पदक जीते। भारतीय पुरुष मुक्केबाजी के इतिहास में यह भी पहली बार है जब कांस्य पदक जीतने पर मुक्केबाजों को ५० हजार अमेरिकी डॉलर (४१ लाख रुपये से अधिक) की इनामी राशि मिली। ताशकंद के पदक विजेता दीपक भोरिया (५१), मोहम्मद हुसामुद्दीन (५७) और निशांत देव (७१) मंगलवार को तड़के भारत वापस आ गए। तीनों ही मुक्केबाजों ने अमर उजाला से कहा देश के लिए पदक जीतना उनके लिए अहम है, लेकिन इससे पहले उन्होंने मुक्केबाजी में इतनी बडी इनामी राशि के बारे में नहीं सोचा था। दीपक ने कहा वह इस राशि से घर बनवाएंगे तो हुसामुद्दीन और निशांत ने कहा वे पुरस्कार राशि को पिता के हाथों में रख देंगे।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक जीतने पर अब तक नाम ज्यादा और दाम कम मिलते थे, लेकिन ताशकंद (उजबेकिस्तान) में हुई विश्व मुक्केबाजी में भारतीय मुक्केबाजों को नाम के साथ मोटे दाम भी मिले। यह पहली बार है जब विश्व चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों ने तीन कांस्य पदक जीते। भारतीय पुरुष मुक्केबाजी के इतिहास में यह भी पहली बार है जब कांस्य पदक जीतने पर मुक्केबाजों को ५० हजार अमेरिकी डॉलर (४१ लाख रुपये से अधिक) की इनामी राशि मिली। ताशकंद के पदक विजेता दीपक भोरिया (५१), मोहम्मद हुसामुद्दीन (५७) और निशांत देव (७१) मंगलवार को तड़के भारत वापस आ गए। तीनों ही मुक्केबाजों ने अमर उजाला से कहा देश के लिए पदक जीतना उनके लिए अहम है, लेकिन इससे पहले उन्होंने मुक्केबाजी में इतनी बडी इनामी राशि के बारे में नहीं सोचा था।

क्रिकेट की संभावनाओं को तराशने के लिए होगा नमो कैंप : संजय सेठ

हरि किशोर प्रसाद, रांची

सांसद संजय सेठ ने कहा कि रांची में क्रिकेट की अपार संभावनाएं हैं इन संभावनाओं को थोड़ा-सा तराश कर और बेहतर किया जा सकता है। इसी उद्देश्य से १ जून से १० जून २०२३ तक शारदा ग्लोबल स्कूल बुकरू (कांके) में १० दिवसीय नमो क्रिकेट कैप का आयोजन किया गया है। इस क्रिकेट कैंप का संचालन बिहार झारखंड के भूतपूर्व रणजी खिलाडी प्रदीप खन्ना के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। यहां बच्चों को क्रिकेट के बेहतर गुर सिखाया जाएंगे। इस क्रिकेट कैप में नवोदित अंडर १७ क्रिकेटरो को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर के लिए फॉर्म विद्यालय के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले खिलाडियों की उम्र सीमा १५ से १७ वर्ष निर्धारित की गई है। इसके लिए रांची के सभी स्कूलों से संपर्क स्थापित किए जा रहे हैं ताकि हर विद्यालय एवं हर एक क्षेत्रों से बच्चे आ सके। श्री सेठ शनिवार को सांसद कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में भाग लेने वाले बच्चों के लिए फॉर्म भरने की अंतिम तिथि २५ मई रखी गई है। इस प्रशिक्षण शिविर में जितने भी बच्चे भाग लेंगे। उनका एक ट्राइल लिया जाएगा और ट्राइल के आधार पर ५० बच्चों को प्रशिक्षण के लिए सेलेक्ट किया जाएगा।

ट्राइल २८ मई दिन रविवार को शारदा ग्लोबल स्कूल में संपन्न होगा। यह प्रशिक्षण सुबह सात बजे से दोपहर १२ बजे तक आयोजित की जाएगी। इस प्रशिक्षण शिविर में झारखंड के कई नामी गामी खिलाड़ियों द्वारा भी बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रेस वार्ता में प्रदीप खन्ना भी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकार लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड हेतु, **प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक : स्वप्नील शंभरकर** द्वारा अरुणोदय प्रेस, कॉटन मार्केट, नागपूर - 440018 से मुद्रित कर, लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177, A/G योगी अरविन्द नगर, कामठी रोड, नागपूर - ४४००२६ से प्रकाशित। **संपादक : स्वप्नील शंभरकर,** संपर्क - 09545924968, *पी आर बी कानून के तहत सम्पूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार। RNI Reg. No.-MHHIN/2017/74134